About the Book

आगे बढ़ने से पहले अपनी परीक्षा की तैयारी को और मजबूत करने के लिए हमारी नवीनतम प्रैक्टिस बुक के साथ तैयार हो जाओ, जो Agrawal Examcart के विशेषज्ञों द्वारा मेहनत से तैयार की गई है। यहाँ जानिए इसे लेने के मुख्य कारण :

- हमने पिछले वर्षों के पेपर्स, परीक्षा का पाठ्यक्रम और पैटर्न का पूरा आकलन किया है। विगत वर्षों के पेपर्स को ध्यान से विश्लेषित किया गया है और समझने का प्रयास किया गया है कि परीक्षा सेटर के दृष्टिकोण से कौन-कौन से अध्याय महत्वपूर्ण हैं, हर अध्याय पर कितने प्रश्न पूछे जाते हैं और इन प्रश्नों का कठिनाई स्तर भी तय किया जाता है।

- इस विस्तृत विश्लेषण के आधार पर, हमारी टीम ने एक प्रैक्टिस बुक तैयार की है जो अद्भुत और सटीक प्रैक्टिस सेट्स को संयोजित करती है। हमारा मानना है कि इस पुस्तक में दिया गया प्रत्येक प्रैक्टिस सेट आगामी परीक्षा पेपर से काफी मिलता जुलता होगा। हर पेपर को हल करने पर मिलने वाला परिणाम आपको आपके आगामी परीक्षा स्कोर का सही ढंग से पूर्वानुमान करने में मदद करेगा और साथ ही आपकी परीक्षा तैयारी का 80% की सटीकता के साथ आकलन करने में सक्षम होगा।

अपनी परीक्षा सफलता को किस्मत पर न छोड़ें। इस प्रैक्टिस बुक की कॉपी आज ही प्राप्त करें और अपनी तैयारी को अगले स्तर पर ले जाएँ।

अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकें

Buy books at great discounts on: www.examcart.in | www.amazon.in/examcart |

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!
CB1875

TGT प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक भर्ती परीक्षा (हिंदी) प्रैक्टिस सेट्स एवं सॉल्व्ड पेपर्स
ISBN - 978-93-6054-005-0

₹ 179

TGT प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक भर्ती परीक्षा (हिंदी) प्रैक्टिस सेट्स एवं सॉल्व्ड पेपर्स

CB1875 AGRAWAL EXAMCART

TOP SELLING TGT PRACTICE SETS

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड द्वारा आयोजित

TGT

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक भर्ती परीक्षा

Most Updated Book!
UP TGT के सभी नवीनतम पेपर्स इस पुस्तक में शामिल हैं।

हिंदी

15 प्रैक्टिस सेट्स एवं 05 सॉल्व्ड पेपर्स

(2021, 2018, 2016, 2013, 2011)

LT.Grade

Code	Price	Pages	ISBN
CB1875	₹179	176	978-93-6054-005-0

विषय सूची

➔ परीक्षा से सम्बन्धित महत्वपूर्ण सूचना v

➔ प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक भर्ती परीक्षा पाठ्यक्रम vi

सॉल्व्ड पेपर्स

➢ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा, 2021 हिंदी हल प्रश्न-पत्र 1-9

➢ उ. प्र. लोक सेवा आयोग, एल.टी. ग्रेड, 2018 हिंदी हल प्रश्न-पत्र (परीक्षा तिथि : 29-07-2018) 10-18

➢ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा, 2016 हिंदी हल प्रश्न-पत्र 1-10

➢ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा, 2013 हिंदी हल प्रश्न-पत्र 11-19

➢ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा, 2011 हिंदी हल प्रश्न-पत्र 20-29

प्रैक्टिस सेट्स

➢ प्रैक्टिस सेट–1 30-37

➢ प्रैक्टिस सेट–2 38-45

➢ प्रैक्टिस सेट–3 46-53

➢ प्रैक्टिस सेट–4 54-60

➢ प्रैक्टिस सेट–5 61-68

➢ प्रैक्टिस सेट–6 69-76

➢ प्रैक्टिस सेट–7 77-84

➢ प्रैक्टिस सेट–8 85-92

➢ प्रैक्टिस सेट–9 93-101

➢ प्रैक्टिस सेट–10 102-111

➢ प्रैक्टिस सेट–11 112-119

➢ प्रैक्टिस सेट–12 120-128

➢ प्रैक्टिस सेट–13 129-136

➢ प्रैक्टिस सेट–14 137-144

➢ प्रैक्टिस सेट–15 145-152

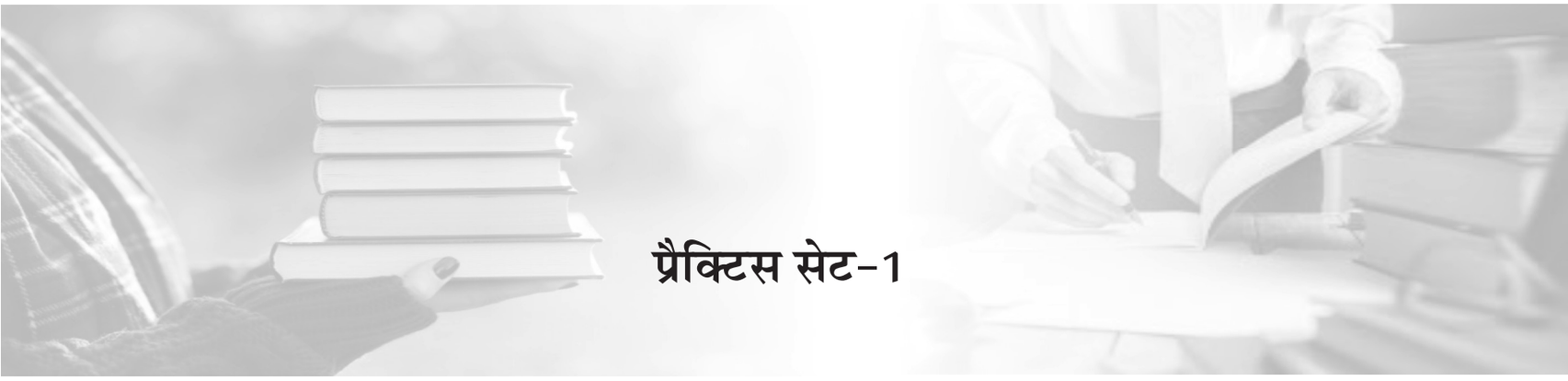

प्रैक्टिस सेट-1

निर्देश (प्रश्न संख्या 1 से 5 तक)

नीचे दिये गद्यांश को पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गद्यांश

सच्चे वीर अपने प्रेम के जोर से लोगों को सदा के लिए बांध देते हैं। वीरता की अभिव्यक्ति कई प्रकार से होती है। कभी लड़ने-मरने से, खून बहाने से, तोप तलवार के सामने बलिदान करने से होती है तो कभी जीवन के गूढ़ तत्व और सत्य की तलाश में बुद्ध जैसे राजा विरक्त होकर वीर हो जाते हैं। वीरता एक प्रकार की अन्त: प्रेरणा है। जब कभी उसका विकास हुआ तभी एक रौनक, एक रंग, एक बहार संसार में छा गई। वीरता हमेशा निराली और नई होती है। वीरों को बनाने के कारखाने नहीं होते। वे तो देवदार के वृक्ष की भाँति जीवन रूपी वन में स्वयं पैदा होते हैं और बिना किसी के पानी दिये, बिना किसी के दूध पिलाये बढ़ते हैं। "जीवन के केन्द्र में निवास करो और सत्य की चट्टान पर दृढ़ता से खड़े हो जाओ, बाहर की सतह छोड़कर जीन के अंदर की तहों में पहुँचो तब नए रंग खिलेंगे।'' यही वीरता का संदेश है।

1. इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक होगा–
(A) वीरता संस्मरण
(B) सच्ची वीरता
(C) वीरों का उत्पन्न होना
(D) देवदार और वीर

2. वीरता का संदेश क्या है?
(A) यह संकल्प कि किसी भी हालत में युद्ध जीतना है
(B) बुद्ध जैसे राजा की भाँति विरक्त होना
(C) उद्देश्य के लिए सच्चाई पर चट्टान की तरह अटल रहना
(D) हमेशा नया और निराला रहना

3. वीरों की देवदार वृक्ष से तुलना की गई है, क्योंकि दोनों–
(A) खाना-पीना मिलने पर ही बढ़ते हैं
(B) का दिल उदार होता है
(C) सत्य का हमेशा पालन करते हैं
(D) स्वयं पैदा होते हैं और बिना किसी के दूध पिलाये बढ़ते हैं

4. निम्न में से कौन-सा रूप वीरता का नहीं है?
(A) क्रोध (B) युद्ध
(C) त्याग (D) दान

5. वीरता का एक विशेष लक्षण है–
(A) नयापन (B) नकल
(C) हास्य (D) करुणा

निर्देश (प्रश्न संख्या 6 से 10 तक)

निम्न प्रश्नों में स्वर या मात्रा की दृष्टि से शब्द को अशुद्ध रूप में लिया गया है। नीचे दिये गये विकल्पों में शुद्ध रूप चुनिए।

6. (A) निलिप्त (B) निर्लप्त
(C) निर्लिप्त (D) निर्लीप्त

7. (A) इच्छादुम (B) इच्छाद्रुम
(C) इच्छाद्रम (D) इच्छादम

8. (A) द्विरुक्ति (B) दिरुक्ति
(C) द्विरक्ती (D) द्विरुकती

9. (A) विसमृत्ति (B) विसमरती
(C) विस्मती (D) विस्मृति

10. (A) जगतापाण (B) जगतप्राण
(C) जगत्प्राण (D) जगर्त्पाण

निर्देश (प्रश्न संख्या 11 से 15 तक)

इन प्रश्नों में प्रत्येक में एक शब्द दिया गया है जिसके नीचे चार शब्द अंकित हैं। इनमें से एक दिये हुये शब्द का विलोमार्थी शब्द है। सही विलोमार्थी शब्द चुनिए।

11. दिवस
(A) विभावरी (B) अरविन्द
(C) प्रवाहिणी (D) विचक्षण

12. निर्मल
(A) पवित्र (B) शुद्ध
(C) मलिन (D) मृदु

13. उद्यम
(A) प्रवीण (B) आलस्य
(C) नीरज (D) नृप

14. महान
(A) मरण (B) चेतन
(C) क्षुद्र (D) मूढ़

15. द्युति
(A) छवि (B) प्रभा
(C) ज्योति (D) अन्धकार

निर्देश (प्रश्न संख्या 16 से 20 तक)

इन प्रश्नों में एक मुहावरा दिया गया है जिसके नीचे चार विकल्पों में उसके अर्थ दिए गए हैं। एक अर्थ सही है और यही सही विकल्प है। सही विकल्प चुनिए।

16. आँख के अन्धे, गाँठ के पूरे
(A) धनी परन्तु मूर्ख
(B) गरीब किन्तु अक्लमन्द
(C) धनी परन्तु अक्लमन्द
(D) गरीब परन्तु मूर्ख

17. गागर में सागर भरना
(A) सक्षिप्त बात को विस्तृत रूप में कहना
(B) संक्षिप्त बात को संक्षेप में कहना
(C) विस्तृत बात को संक्षेप में कहना
(D) विस्तृत बात को विस्तृत रूप में कहना

18. चोर के पैर नहीं होते–
(A) पापी का मन स्थिर होता है
(B) पापी का मन अस्थिर होता है
(C) पवित्र व्यक्ति का मन अस्थिर होता है
(D) गरीब का मन अस्थिर होता है

19. पेट भरे मन-मोदक से कब–
(A) पुरुषार्थ से किसी काम में सफलता न मिलना
(B) सच्चाई व ईमानदारी से किसी काम में सफलता न मिलना
(C) केवल भगवान के नाम लेने से किसी काम में सफलता न मिलना
(D) केवल सोचते रहने से किसी काम में सफलता न मिलता

20. अरहर की टट्टी गुजराती ताला
(A) बड़ी वस्तु के लिए अधिक व्यय करना
(B) बड़ी वस्तु के लिये कम व्यय करना
(C) छोटी वस्तु के लिये अधिक व्यय करना
(D) छोटी वस्तु के लिये कम व्यय करना

21. जो मिठाइयाँ पसन्द हों आप खा लो।
(A) जो मिठाई पसन्द हों आप खा लो
(B) जो मिठाई पसन्द हों तुम खा लो
(C) जो मिठाइयाँ पसन्द हों तुम खा लो
(D) जो मिठाइयाँ पसन्द हों उन्हें आप खाइये

22. हम बचपन में वहाँ जाता रहा।

(A) हम बचपन में वहाँ जायेंगे

(B) हम बचपन में वहाँ जाते रहे हैं

(C) मैं बचपन में वहाँ जाता रहा

(D) मैं बचपन में वहाँ जाऊँगा

23. प्रत्येक व्यक्ति कविता नहीं कर सकते।

(A) प्रत्येक व्यक्ति कविता कर सकते हैं

(B) प्रत्येक व्यक्ति कविता नहीं कर सकते हैं

(C) प्रत्येक व्यक्ति कविता नहीं कर सकता

(D) हर व्यक्ति कविता कर सकते हैं

24. हेम नरेश को पुस्तक दिया–

(A) हेम नरेश की पुस्तक दी

(B) हेम ने नरेश को पुस्तक दी

(C) हेम नरेश का पुस्तक देगा

(D) हेम ने नरेश का पुस्तक दिया

25. मन्त्री ड्राइवर को कार चलवाता है।

(A) मन्त्री ड्राइवर से कार चलवाता है

(B) मन्त्री ड्राइवर की कार चलवाता है

(C) मन्त्री ड्राइवर के लिये कार चलवाता है

(D) मन्त्री ड्राइवर पर कार चलवाता है

निर्देश (प्रश्न संख्या 26 से 30 तक)

इन प्रश्नों में प्रत्येक में चार शब्द दिये गये हैं जिनमें से तीन अनेकार्थक शब्द की श्रेणी में आते हैं। जो शब्द इस श्रेणी में नहीं आता है, वही उत्तर है।

26. (A) अम्बर (B) वस्त्र
(C) आकाश (D) किरण

27. (A) मधु (B) दूध
(C) शहद (D) शराब

28. (A) इन्द्र (B) सिंह
(C) ब्राह्मण (D) सूर्य

29. (A) सजा (B) बल
(C) शक्ति (D) सेना

30. (A) तात (B) पूज्य
(C) पिता (D) मोती

निर्देश (प्रश्न संख्या 31 से 35 तक)

इन प्रश्नों में लोकोक्तियों का सही विकल्प चुनकर पूर्ण कीजिये।

31. घर आया ..... भी नहीं निकला जाता है–
(A) मेहमना (B)कुत्ता
(C) रिश्तेदार (D) ब्राह्मण

32. धोये जो सौ बार तो ..... होने ना सेत।
(A) कपड़ा (B) आदमी
(C) काजर (D) गन्दा

33. ज्यों ज्यों भीजे ..... त्यों त्यों भारी होय।
(A) कामरी (B) कमली
(C) उधारी (D) कर्जा

34. ..... के मुँह में हाथ डालना
(A) कुत्ते (B) बकरी
(C) शेर (D) गीदड़

35. दान की बछिया के ..... नहीं देखे जाते
(A) कान (B) मुँह
(C) आँख (D) दाँत

36. किस रस का संचारी भाव उग्रता, गर्व, हर्ष आदि है?
(A) श्रृंगार (B) वीर
(C) वात्सल्य (D) रौद्र

37. "राग है कि, रूप है कि
रस है कि, जस है कि
तन है कि, मन है कि
प्राण है कि, प्यारी है"
उपर्युक्त पंक्तियों में रस है–
(A) श्रृंगार (B) वात्सल्य
(C) अद्‌भुत (D) शान्त

38. किस रस का संचारी उद्दीपन विभाव बादल की घटाएँ, कोयल का बोलना, बसन्त ऋतु आदि होते हैं?
(A) श्रृंगार (B) वात्सल्य
(C) अद्‌भुत (D) शान्त

39. "सोभित कर नवनीत लिये
घुटुरुनि चलत रेनु तन मंडित
मुख दधि लेप किये।"
उपर्युक्त पंक्तियों में रस है–
(A) श्रृंगार (B) रौद्र
(C) शान्त (D) वात्सल्य

40. "पराधीन जो जन, नहीं स्वर्ग नरक ता हेतु।"
पराधीन जो जन नहीं, स्वर्ग नरक ता हेतु।।"
उपर्युक्त पंक्तियों में अलंकार है–
(A) अनुप्रास (B) यमक
(C) श्लेष (D) उपमा

41. जहाँ शब्दों, शब्दांशों या वाक्यांशों की आवृत्ति हो, किन्तु उनके अर्थ भिन्न हों वहाँ निम्न अलंकार होता है।
(A) श्लेष (B) वक्रोक्ति
(C) यमक (D) रूपक

42. "मुख रूपी चाँद पर राहु भी धोखा खा गया" पंक्तियों में अलंकार है–
(A) श्लेष (B) वक्रोक्ति
(C) उपमा (D) रूपक

43. जहाँ किसी वस्तु का लोक-सीमा से इतना बढ़ कर वर्णन किया जाए कि वह असम्भव की सीमा तक पहुँच जाए, वहाँ अलंकार होता है–
(A) अतिशयोक्ति (B) विरोधाभास
(C) अत्युक्ति (D) उत्प्रेक्षा

44. मात्रिक अर्द्धसम जाति का छन्द है–
(A) रोला (B) दोहा
(C) चौपाई (D) कुण्डलिया

45. चौपाई के प्रत्येक चरण में मात्राएँ होती हैं
(A) 11 (B) 13
(C) 16 (D) 15

46. भगवद्‌गीता का सन्धि विच्छेद है–
(A) भगवद् + गीता (B) भग + वद् +गीता
(C) भगवत् + गीता (D) भग+ वद्‌गीता

47. मनोरम का सन्धि विच्छेद है–
(A) मन + ओरम (B) मन + रम
(C) मनो + रम (D) मनः + रम

48. "बड़े बड़ाई ना करें, बड़े न बौलें बोल।"
रहिमन हीरा कब कहै, लाख टके का मोल।।"
रहीम द्वारा लिखित इन पंक्तियों में 'बड़े' शब्द का प्रयोग जिस रूप में हुआ है, वह है–
(A) विशेषण (B) संज्ञा
(C) सर्वनाम (D) क्रिया विशेषण

49. "यह काम मैं आप कर लूँगा" पंक्तियों में 'आप' है–
(A) सम्बन्धवाचक सर्वनाम
(B) निजवाचक सर्वनाम
(C) निश्चयवाचक सर्वनाम
(D) पुरुषवाचक सर्वनाम

50. निम्नलिखित में से कौन-सा स्त्रीलिंग में प्रयुक्त होता है–
(A) ऋतु (B) पण्डित
(C) हंस (D) आचार्य

51. बिहारी निम्न में से किस काल के कवि थे?
(A) वीर गाथा काल (B) भक्ति काल
(C) रीति काल (D) आधुनिक काल

52. भक्ति काल की रामाश्रयी शाखा के निम्न में से कौन-से कवि हैं?
(A) सूरदास (B) मीराबाई
(C) जायसी (D) तुलसीदास

53. हिन्दी भाषा की बोलियों के वर्गीकरण के आधार पर छत्तीसगढ़ी बोली है।
(A) पूर्वी हिन्दी (B) पश्चिमी हिन्दी
(C) पहाड़ी हिन्दी (D) राजस्थानी हिन्दी

54. "नमक का दरोगा" कहानी के लेखक हैं–
(A) जयशंकर प्रसाद (B) प्रेमचन्द
(C) गुलाब राय (D) रामचन्द्र शुक्ल

55. उपन्यास और कहानी का मूल अंतर है, उसका–
(A) आकार-प्रकार (B) विषय निरूपण
(C) घटना का चयन (D) पात्रों की विविधता

56. श्रृंगार रस का स्थायी भाव है–
(A) रति (B) हास
(C) शोक (D) निर्वेद

57. प्रेमचन्द्र का एक सशक्त उपन्यास 'गोदान' है–
(A) राजनैतिक (B) धार्मिक
(C) सामाजिक (D) ऐतिहासिक

58. सूरदास किस काल के कवि थे?
(A) रीति काल
(B) भक्ति काल
(C) आधुनिक काल
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

59. वियोगी हरि जी का पूर्ण नाम था–
(A) श्री राम प्रसाद द्विवेदी
(B) श्री हरि प्रसाद द्विवेदी
(C) श्री हरि द्विवेदी
(D) श्री गिरधर द्विवेदी

60. अवधी भाषा के सर्वाधिक लोकप्रिय महाकाव्य का नाम है–
(A) पद्मावत (B) मधुमालती
(C) मृगावती (D) रामचरितमानस

61. प्रगति काव्य में प्रधानता होती है–
(A) भावना और गीतात्मकता की
(B) संगीतात्मकता की
(C) प्रकृति चित्रण की
(D) उपर्युक्त में से किसी की नहीं

62. जायसी के सर्वोत्कृष्ट ग्रन्थ का नाम है?
(A) आखिरी सलाम (B) अखरा वट
(C) मधुमालती (D) पद्मावत

63. 'स्मृति की रेखाएँ' रेखांकन के रचनाकार हैं–
(A) डॉ. श्याम सुन्दर दास
(B) महादेवी वर्मा
(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(D) महावीर प्रसाद द्विवेदी

64. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी निम्नलिखित में से किस पत्रिका के सम्पादक थे?
(A) साहित्य संदेश (B) विशाल भारत
(C) सरस्वती (D) विनयपत्रिका

65. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबन्ध संग्रह का नाम है–
(A) चिंतामणि (B) झरना
(C) आँसू (D) कामायनी

निर्देश (प्रश्न संख्या 66 से 75 तक)

निम्न प्रश्नों में प्रत्येक में किसी सर्वाधिक उपयुक्त युग्म को चुनिये जो कि दिये गये शब्द का पर्यायवाची हो।

66. अंतरिक्ष
(A) पृथ्वी, आकाश (B) व्योम, आकाश
(C) सुरप, सिद्दपथ (D) अनन्त, गगन

67. अम्बुज
(A) कमल, शंख (B) कमला, ब्रह्मा
(C) बज्र, बेंत (D) मीन, जलकुंभी

68. खल
(A) विश्वासघाती, निर्लज्ज
(B) नीच, दुर्जन
(C) दुष्ट, धोखेबाज
(D) खली, खरल

69. तृण
(A) तुच्छ, अलप (B) घास, पत्ता
(C) तिनका, घास (D) लता, द्रुम

70. क्षुद्र–
(A) कंजूस, कृपण (B) निर्धन दरिद्र
(C) अल्प, मामूली (D) नीच, अधम

71. उग्र
(A) तीव्र, रौद्र (B) प्रचंड, क्रोधी
(C) उत्कट, घोर (D) शिव, सूर्य

72. बटोही
(A) बटमार, एकाकी (B) असहाय, दुर्गम
(C) पथिक, राहगीर (D) पाथेय, मेघ

73. विरद
(A) यश, ख्याति (B) बीज, मूल
(C) वृक्ष, पौधा (D) विरही, वियोगी

74. यातु
(A) पथिक, कष्ट (B) काल, हवा
(C) यातना, हिंसा (D) राक्षस, निशाचर

75. विभु
(A) सर्वव्यापक, नित्य (B) ब्रह्म, आत्मा
(C) महान, ईश्वर (D) चिरस्थायी दृढ़

निर्देश (प्रश्न संख्या 76 से 80 तक)

दिये गए पद्यांश को पढ़कर इन प्रश्नों का उत्तर दीजिये।

पद्यांश

लक्ष्मी थी या दुर्गा थी वह स्वयं वीरता की अवतार
देख मराठे पुलकित होते उसके तलवारों के वार
नकली युद्ध व्यूह की रचना और खेलना खूब शिकार
सैन्य घेरना, दुर्ग तोड़ना ये थे उसके प्रिय खेलवार
महाराष्ट्र कुल देवी उसकी भी आराध्या भवानी थी
बुन्देले हर बोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी
खूब लड़ी मरदानी वह तो झाँसी वाली रानी थी

76. उक्त पद्यांश का सही शीर्षक हो सकता–
(A) झाँसी की रानी
(B) 1857 का गदर
(C) अंग्रेजी पर आक्रमण
(D) महाराष्ट÷ कुल देवी

77. इस कविता की कवयित्री का नाम है–
(A) महादेवी वर्मा
(B) सुभद्रा कुमारी चौहान
(C) तारा पाण्डेय
(D) मीराबाई

78. इस कविता में प्रयोग किया गया रस है–
(A) भक्ति (B) करुण
(C) श्रृंगार (D) वीर

79. कवयित्री की अधिकांश रचनाएँ–
(A) सामाजिक हैं (B) वात्सल्य पूर्ण हैं
(C) देशभक्ति पूर्ण हैं (D) धार्मिक हैं

80. 'खूब लड़ी मरदानी वह तो झाँसी वाली रानी थी' में 'मरदानी' शब्द का अर्थ है–
(A) वीरांगना (B) पुरुषों जैसी
(C) पुरुषत्व वान (D) लड़ाकू

निर्देश (प्रश्न संख्या 81 से 90 तक)

इन प्रश्नों में एक वाक्य दिया गया हे, जिसका एक भाग रेखांकित है। उस भाग का सही अर्थ नीचे दिये गये चार विकल्पों में से चुनिये।

81. दुर्घटना का दृश्य देखकर नीलिमा का <u>कलेजा पसीज</u> गया।
(A) दिल बैठ जाना (B) हालत खराब होना
(C) गर्मी लगना (D) दया उत्पन्न होना

82. मंत्री के आने पर जनता ने उन्हें <u>आँख उठाकर भी नहीं देखा</u>।
(A) चुप रहना (B) जी चुराना
(C) ध्यान तक न देना (D) अनसुनी करना

83. महाराज दशरथ <u>यथा नाम तथा गुण थे</u>।
(A) नाम मात्र की उपयोगिता
(B) जैसा नाम वैसे ही गुण
(C) उपयोगिता विहीन
(D) गुणवान

84. बार-बार <u>नाक रगड़ने</u> पर भी पुलिस ने अशोक को नहीं छोड़ा।

(A) विनती करना (B) खुशामद करना
(C) अधीन होना (D) बीमार पड़ना

85. कोई काम न करके श्रीमती सन्ध्या दिन भर मक्खी मारा करती हैं।
(A) जीव हत्या करना
(B) कीड़े-मकोड़े मारना
(C) घिनौने काम करना
(D) खाली बैठना

86. सब्ज बाग दिखा कर निशीथ ने कपिल से एक हजार रुपये ठग लिये।
(A) घुमाने ले जाना
(B) बाग की हरियाली दिखाना
(C) प्रकृति निरीक्षण करना
(D) झूठा आश्वासन देना

87. एकाएक प्रधानाचार्य को आया देखकर आपस में लड़ रहे विद्यार्थी हक्का-बक्का हो गये।
(A) अचरज में पड़ना (B) भयभीत होना
(C) भाग जाना (D) छुप जाना

88. मेरा इतना नुकसान हो गया और तुम्हें अठखेलियाँ सूझ रही हैं।
(A) दिल्लगी करना (B) मजे में रहना
(C) खेल खेलना (D) हँसना

89. किसी अजनवी को देखकर कुत्ते आपे में नहीं रहते भों-भों करने लग जाते हैं।
(A) होश में न रहना
(B) मिथ्या बकवास करना
(C) क्रोध में भड़क उठना
(D) अपनी सुध खो देना

90. वि"न को समझाना बेकार है, वह तो औंधी खोपड़ी है।
(A) बेवकूफ
(B) निपट मूर्ख
(C) खोपड़ी उल्टी होना
(D) सोते रहना

निर्देश (प्रश्न संख्या 91 से 95 तक)

नीचे दिये गये गद्यांश को पढ़कर इन प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

गद्यांश

सामान्यत: दुष्टों की वन्दना में या तो भय रहता है या व्यंग्य। परन्तु जहाँ हम हानि होने के पहले ही हानि के कारण की वन्दना करने लगते हें वहाँ हमारी वन्दना के मूल में भय नहीं बल्कि उसकी स्थायी दशा की आशंका है। इस वन्दना में दुष्टों की थपकी देकर सुलाने की चाल है। जिसमें विघ्न बाधाओं में जान बच सके। आशंका से उत्पन्न यह नम्रता गोस्वामी जी को आश्रय से आलंबन बना देती है। जब स्फुट अंशों के संचारीभावों तथा अनुभवों को छोड़कर वन्दना के पीछे निहित भावना की दृष्टि से देखते हैं तो यह आश्रय से संक्रमित आलंबन का उदाहरण बन जाता है। संतों, देवताओं तथा राम की वन्दना पर्याप्त नहीं इसलिये दुष्टों की भी वन्दना की जाती है। इससे दुष्टों के महत्त्व की भायिक सृष्टि होती है और वह उन्हें और भी उपहास्य बना देती है।

91. दुष्ट वन्दना के पीछे लेखक का उद्देश्य है–
(A) दुष्टों को लज्जित करना
(B) दुष्टों को थपकी देकर सुलाना
(C) दुष्टों से अपना बचाव करना
(D) दुष्टों का सहयोग प्राप्त करना

92. रामचरित मानस एक भक्ति काव्य है। इसमें दुष्ट वन्दना का रहस्य है–
(A) तुलसी की व्यापक दृष्टि
(B) तुलसी का सभी को राममय देखना
(C) तुलसी की उदारता
(D) तुलसी का शील-सौजन्य

93. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक हो सकता है–
(A) तुलसी की दुष्ट वन्दना
(B) तुलसी की उदारता
(C) तुलसी का मानवीय दृष्टिकोण
(D) उपर्युक्त तीनों

94. देवताओं, महापुरुषों, सज्जनों के साथ दुष्टों की वन्दना इसलिये सार्थक कही जायेगी कि महाकवि तुलसी दास–
(A) संतकवि थे
(B) उदारचेता थे
(C) हित-अनहित और अपने-पराये की भावना से ऊपर उठ चुके थे
(D) निर्वरता चाहते थे

95. जीवन में हास्य का महत्व इसलिये है कि वह जीवन को–
(A) प्रेरणा देता है (B) आनन्दित करता है
(C) आगे बढ़ाता है (D) सरस बनाता है

निर्देश (प्रश्न संख्या 96 से 100 तक)

नीचे दिये गये गद्यांश को पढ़कर इन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गद्यांश

भूषण महाराज ने विषय और विशेषतया नायक चुनने में बड़ी बुद्धिमत्ता से काम लिया है। शिवाजी और छत्रसाल से महानुभावों के पवित्र चरित्रों का वर्णन करने वाले की जितनी प्रशंसा की जाए थोड़ी है। शिवाजी ने एक जमींदार और वीजापुरधीश के नौकर के पुत्र होकर चक्रवर्ती राज्य स्थापित करने की इच्छा को पूर्ण-सा कर दिखाया और छत्रसाल बुन्देला ने जिस समय मुगलों का सामना करने का साहस किया, उस समय उसके पास केवल पाँच सवार और पच्चीस पैदल थे। इसी सेना से इस महानुभाव ने दिल्ली का सामना करने की हिम्मत की और मरते समय अपने उत्तराधिकारियों के लिए दो करोड़ वार्षिक मुनाफे का स्वतन्त्र राज्य छोड़ा।

96. महाकवि भूषण दरबारी कवि थे। उनके आश्रयदाता राजा का नाम था–
(A) शिवाजी (B) छत्रसाल
(C) औरंगजेब (D) वी सिंह जूदेव

97. छत्रपति शिवाजी की प्रशस्ति में लिखे गये दो काव्य ग्रन्थों के नाम हैं–
(A) शिवा बावनी, शिवराज भूषण
(B) शिवा चरित, शिवा विलास
(C) शिवा वैभव, शिवा चिन्तन
(D) शिवा कथा, शिवा विक्रम

98. इस गद्यांश का सार्थक शीर्षक हो सकता है–
(A) भूषण विवेक
(B) भूषण की बुद्धिमत्ता
(C) भूषण की कला
(D) भूषण का काव्यनायक चयन

99. छत्रसाल बुन्देला ने जिस समय मुगलों का सामना किया, उस समय उनके पास थे–
(A) दो सवार और पाँच पैदल
(B) पाँच सवार और पच्चीस पैदल
(C) पच्चीस सवार और दो पैदल
(D) पच्चीस सवार और पाँच पैदल

100. भूषण का प्रिय काव्य रस था–
(A) करुण (B) शान्त
(C) वीर (D) शृंगार

निर्देश (प्रश्न संख्या 101 से 105 तक)

इन प्रश्नों में प्रत्येक में एक शब्द दिया गया है जिसके नीचे चार शब्द अंकित हैं। इनमें से एक शब्द दिये हुये शब्द का समानार्थी है। सही समानार्थी शब्द चुनिए।

101. कमल–
(A) पारिजात (B) रजनी
(C) विभावरी (D) भामिनी

102. कलानिधि–
(A) नीर (B) हिमांशु
(C) अम्बु (D) आगार

103. तुंग–
(A) उन्नत (B) प्रचण्ड

(C) नारियल (D) पुन्नाग

104. शिखी–
(A) शिखायुक्त (B) मयूर
(C) बुलबुल (D) बैल

105. मिलिन्द–
(A) भुजंग (B) सरिता
(C) कगार (D) भ्रमर

निर्देश (प्रश्न संख्या 106 से 110 तक)

इन प्रश्नों में प्रत्येक में एक शब्द समूह दिया गया है। प्रत्येक शब्द समूह के नीचे चार विकल्प दिये हुये हैं जिनमें से एक दिये हुए शब्द समूह के लिए प्रयुक्त किया जा सकता है। सही विकल्प चुनें।

106. जिसे किसी से लगाव न हो–
(A) नश्वर (B) लिप्सु
(C) निर्लिप्त (D) अलगावादी

107. जो कुछ जानने की इच्छा रखता हो–
(A) जिज्ञासु (B) जननी
(C) जानकी (D) नीतिज्ञ

108. जो बात लोगों से सुनी गई हो–
(A) अश्रुति (B) सर्वप्रिय
(C) लोकोक्ति (D) किंवदन्ती

109. सबके समानाधिकार पर विश्वास–
(A) अधिकारी (B) समाजवाद
(C) प्रगतिवाद (D) अधिकारवाद

110. रजोगुण वाला–
(A) तामसिक (B) राजसिक
(C) वाचिक (D) सात्विक

निर्देश (प्रश्न संख्या 111 से 115 तक)

नीचे दिये गये गद्यांश को पढ़कर इन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

पद्यांश

अस्ताचल रवि, जल छल-छल छवि
स्तब्ध विश्वकवि, जीवन उन्मन
मन्द पवन बहती सुधि रह रह
परिमल की कह कथा पुरातन
दूर नदी पर नौका सुन्दर
दीखी मृदु तर बहती ज्यों स्वर
वहाँ स्नेह की प्रतनु देह की
बिना गेह की बैठी नूतन
ऊपर शोभित मेघ सत्र सित
नीचे अमित नील जल दोलित
ध्यान-नयन मन चिन्त्य-प्राण-धन
किया शेष रवि ने कर अर्पण

111. इस कविता का सार्थक शीर्षक हो सकता है–
(A) दिवस का अवसान
(B) दिवा-गमन
(C) अस्ताचल रवि
(D) रवि कर अर्पण

112. इस कविता में छायावादी कवि निराला ने–
(A) प्रकृति का मनोरम चित्रण किया है
(B) अस्तगत सूर्य और उसकी प्रतीक्षा में रत संध्या का वर्णन किया है
(C) मादक भावनाओं की अभिव्यक्ति की है
(D) सूर्यास्त का चित्रण किया है

113. इस पद्यांश में प्रयोग किया गया शब्द 'प्रतनु' अर्थ रखता है–
(A) प्रमुदित (B) क्षीण
(C) मृत (D) प्रेत

114. पण्डित निराला हिन्दी के–
(A) श्रेष्ठ साहित्यकार थे
(B) लेखक तथा कवि दोनों थे
(C) समाजवादी कवि थे
(D) प्रख्यात तथा सर्वोत्कृष्ट छायावादी कवि थे

115. उपर्युक्त पद्य में प्रयुक्त 'गेह' शब्द का प्रयोग अर्थ रखता है–
(A) गेहूँ (B) एक जीव
(C) घर (D) द्वार

निर्देश (प्रश्न संख्या 116 से 120 तक)

निम्न पद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

पद्यांश

आज क्यों तेरी वीणा मौन
शिथिल शिथिल तन थकित हुये कर
स्पन्दन भी भुला जाता डर
मधुर कसक सा आज हृदय में
आन समाया कौन?
झुकती आती पलकें निश्चल
चित्रित निद्रित से तारक चल
सोता पारावार दृगों में
भर भर लाया कौन?
आज क्यों तेरी वीणा मौन?

116. इस कविता के रचयिता हैं–
(A) सुमित्रानन्दन पन्त
(B) सुभद्रा कुमारी चौहान
(C) महादेवी वर्मा
(D) मीरा बाई

117. नीरजा से उद्धृत इस कविता का आशय है–
(A) न जाने आज क्यों उकनी हृदतंत्री बज नहीं रही
(B) दुखों से आपूरित हृदय तथा नेत्रों के अश्रुमय होने के बावजूद वीणा मौन क्यों है?
(C) विरह व्यथा की कसक तन मन को व्याकुल बना रही है, फिर भी आहें, नहीं भरी जातीं। रहस्य प्रकट करने में न जाने मैं क्यों असमर्थ हूँ
(D) विरह व्यथा की कथा अकथनीय है

118. इस कविता का उपयुक्त शीर्षक होगा–
(A) सुधि बन छाया कौन
(B) आज क्यों तेरी वीणा मौन
(C) हृदय में आन समाया कौन
(D) मौन वीणा का रहस्य

119. कवियित्री के बारे में यह निर्विवाद सत्य है कि वह–
(A) सर्वोत्कृष्ट कवयित्री थी
(B) साधना में दूसरी मीरा थी
(C) छायावादी होकर भी वह अपनी विशिष्ट पहचान रखती थी
(D) सुप्रसिद्ध छायावादी कवयित्री थी

120. भाव व्यंजना की दृष्टि से यह कविता–
(A) दुर्बोध रचना है
(B) श्रेष्ठ रचनाओं में एक है
(C) आरम्भिक रचना है
(D) प्रकृति चित्रण की दृष्टि से बेजोड़ है

121. निम्नलिखित में से कौन-सी द्रविड़ परिवार की भाषा है ?
(A) उड़िया (B) बांग्ला
(C) असमिया (D) कन्नड़

122. ब्रजभाषा किस अपभ्रंश से विकसित है ?
(A) शौरसेनी (B) मागधी
(C) अर्द्धमागधी (D) पैशाची

123. हिन्दी भाषा की बोलियों के वर्गीकरण के आधार पर छत्तीसगढ़ी बोली है–
(A) पूर्वी हिन्दी (B) पश्चिमी हिन्दी
(C) पहाड़ी हिन्दी (D) राजस्थानी हिन्दी

124. तुलसी कृत 'विनयपत्रिका' की भाषा है–
(A) अवधी (B) ब्रज
(C) कन्नौजी (D) कौरवी

125. निम्नलिखित बोलियों में से कौन-सी बोली उत्तर प्रदेश में नहीं बोली जाती है ?
(A) अवधी (B) ब्रज
(C) खड़ी बोली (D) मैथिली

व्याख्यात्मक हल

1. (B) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक 'सच्ची वीरता' होगा।

2. (C) दिए गए गद्यांश की अंतिम दो पंक्तियों से स्पष्ट है कि 'उद्देश्य की पूर्ति के लिए सच्चाई के रास्ते पर चट्टान की तरह दृढ़ रहना'

वीरता का संदेश है।

3. (D) दिए गए गद्यांश में वीरों की तुलना देवदार के वृक्ष से की गई है, क्योंकि दोनों स्वयं पैदा होते हैं और बिना किसी के दूध "लाये बढ़ते है।

4. (A) 'क्रोध' को वीरता का अंग नहीं माना गया है, जबकि युद्ध त्याग तथा दान वीरता का रूप हैं।

5. (A) प्रस्तुत गद्यांश से स्पष्ट है कि वीरता निराली होती है तथा इसकी अभिव्यक्ति कई प्रकार से होती है।

6. (C) वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द 'निर्लिप्त' है। 'निर्लिप्त' का अर्थ होगा—सांसारिक माया मोह से दूर रहने वाला। अन्य तीनों विकल्प अशुद्ध हैं।

7. (C) वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द 'इच्छाद्रम' है। अन्य विकल्प अशुद्ध हैं।

8. (A) दिए गए विकल्पों में शुद्ध शब्द 'दुरुक्ति' है। 'दुरुक्ति' का अर्थ होगा—किसी शब्द या वाक्य को दुहराया जाना। अन्य तीनों विकल्प अशुद्ध हैं।

9. (D) वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द 'विस्मृति' है। 'विस्मृति' का अर्थ होगा 'भूल जाना'। अन्य तीनों विकल्प अशुद्ध हैं।

10. (C) दिए गए विकल्पों में शुद्ध शब्द जगत्प्राण है। अन्य तीनों विकल्प अशुद्ध हैं।

11. (A) दिए गए शब्दों में 'दिवस' का विलोम शब्द 'विभावरी' होगा।

12. (C) 'निर्मल' का विलोम 'मलिन' होगा। अन्य तीनों विकल्पों के विलोम शब्द हैं—'पवित्र'—'अपवित्र', 'शुद्ध'—'अशुद्ध', 'मृदु'—'कठोर'।

13. (B) 'उद्यम' का विलोम 'आलस्य' होगा। अन्य तीनों विकल्प अशुद्ध हैं।

14. (C) 'महान' का विलोम 'क्षुद्र' होगा। अन्य विकल्पों के विलोम शब्द हैं— 'मरण'-'जीवन', 'चेतन'—'जड़', 'मूढ़'-'चतुर'।

15. (D) दिए गए शब्दों में 'द्युति' का विलोम 'अन्धकार' होगा।

16. (A) 'आँख के अंधे, गाँठ के पूरे' मुहावरे का अर्थ है—'धनी परन्तु मूर्ख'। अन्य तीनों विकल्प अशुद्ध हैं।

17. (C) 'गागर में सागर भरना' मुहावरे का अर्थ है—विस्तृत बात को संक्षेप में कहना।

18. (B) 'चोर के पैर नहीं होते' मुहावरे का अर्थ है—पापी का मन अस्थिर होता है।

19. (D) 'पेट भरे मन—मोदक से कब' मुहावरे का अर्थ है—केवल सोचते रहने से किसी काम में सफलता न मिलना।

20. (C) 'अरहर की टट्टी गुजराती ताला' मुहावरे का अर्थ है—छोटी वस्तु के लिए अधिक व्यय करना।

21. (D) विकल्प (D) में दिया गया वाक्य 'जो मिठाइयाँ पसंद हों उन्हें आप खाइये' शुद्ध है। अन्य विकल्प अशुद्ध हैं।

22. (C) विकल्प (C) में दिया गया वाक्य 'मैं बचपन में वहाँ जाता रहा' शुद्ध है। अन्य विकल्पों में 'काल' सम्बन्धी अशुद्धि है।

23. (C) विकल्प (C) में दिया गया वाक्य 'प्रत्येक व्यक्ति कविता नहीं कर सकता' शुद्ध है। अन्य विकल्प अशुद्ध हैं।

24. (B) विकल्प (B) में प्रस्तुत वाक्य 'हेम ने नरेश को पुस्तक दी' शुद्ध है। विकल्प (A) में कारक सम्बन्धी, (C तथा D) में कारक तथा क्रिया सम्बन्धी, अशुद्धि है।

25. (A) विकल्प (A) में दिया गया वाक्य 'मंत्री ड्राइवर से चार चलवाता है' शुद्ध है। अन्य विकल्पों में 'कारक' सम्बन्धी अशुद्धि है।

26. (D) 'अम्बर', 'वस्त्र' तथा 'आकाश' अनेकार्थी शब्द हैं। 'किरन' अन्य विकल्पों से भिन्न है।

27. (B) 'मधु', 'शहद' और 'शराब', 'पराग' के अनेकार्थी हैं। 'दूध' अन्य विकल्पों से भिन्न है।

28. (C) 'इन्द्र', '"ह' तथा 'सूर्य' अनेकार्थी शब्द हैं। 'ब्राह्मण' अन्य विकल्पों से भिन्न है। ब्राह्मण के अनेकार्थी हैं—द्विज, चन्द्रमा तथा पक्षी।

29. (A) 'बल', 'सेना' तथा 'शक्ति', 'ताकत' के अनेकार्थी हैं। सजा अन्य विकल्पों से भिन्न है। 'सजा' के अनेकार्थी हैं—'दंड', 'डंडा', 'जहाज का मस्तूल'।

30. (D) 'तात', 'पूज्य', 'पिता', अनेकार्थक शब्द की श्रेणी में आते हैं। 'मोती' के अनेकार्थी हैं—कमल, मोती, शंख।

31. (B) उपर्युक्त लोकोक्ति के रिक्त स्थान में 'कुत्ता' शब्द प्रयुक्त होगा।

32. (C) प्रस्तुत लोकोक्ति के रिक्त स्थान में 'काजर' शब्द प्रयुक्त होगा।

33. (A) 'ज्यों-ज्यों भीजे' 'कामरी' 'त्यों-त्यों भारी होय'। यह एक लोकोक्ति है। 'कामरी' का अर्थ होगा—'छोटा कंबल'।

34. (C) उपर्युक्त मुहावरे में 'शेर' शब्द प्रयुक्त होगा। 'शेर के मुँह में हाथ डालना' मुहावरे का अर्थ होगा—'वीरता का कार्य करना'।

35. (D) 'दान की बछिया' के 'दाँत' नहीं देखे जाते। अत: रिक्त स्थान में दाँत शब्द प्रयोग होगा।

36. (B) वीर रस का संचारी भाव उग्रता, गर्व, हर्ष आदि हैं। जब उत्साह स्थायी भाव विभवादि के संयोग से परिपक्व होकर रस रूप में परिणत है, तब वीर रस कहलाता है।

37. (C) आश्चर्यजनक वर्णन तथा विस्मय भाव की अवस्था को अद्‌भुत रस कहते हैं।

38. (A) शृंगार रस का उद्दीपन विभाव 'बादल की घटाएँ', कोयल का बोलना, बसन्त ऋतु, भ्रमर-गुंजन तथा नायक-नायिका की प्रेम चेष्टाएँ आदि हैं। उन्माद, हर्ष, आवेग तथा चपलता आदि संचारी भाव हैं।

39. (D) छोटे बालक के बाल-सुलभ मानसिक क्रियाकलापों से उत्पन्न वात्सल्य प्रेम की परिपक्वावस्था को 'वात्सल्य रस' कहते हैं।

40. (A) जब एक शब्द या वाक्य खण्ड की आवृत्ति उसी अर्थ में हो, किन्तु अन्वय में भेद हो वहाँ लाटानुप्रास अलंकार होता है। उपर्युक्त पंक्तियों में पहली पंक्ति का अर्थ है, कि पराधीन व्यक्ति का स्वर्ग भी नरक के समान होता है, जबकि दूसरी पंक्ति का अर्थ है, जो व्यक्ति पराधीन नहीं है उसके लिए नर्क भी स्वर्ग के समान है। 'लाटानुप्रास' अनुप्रास अलंकार का ही एक भेद है।

41. (C) जहाँ शब्दों, शब्दांशों या वाक्यांशों की आवृत्ति हो, किन्तु उनके अर्थ भिन्न हों वहाँ यमक अलंकार होता है।

42. (D) प्रस्तुत पंक्तियों में रूपक अलंकार है। जहाँ उपमेय को उपमान का रूप मान लिया जाता है, वहाँ रूपक अलंकार होता है।

43. (A) अतिशयोक्ति अलंकार में किसी बात का बहुत बढ़ा, चढ़ाकर वर्णन किया जाता है। जहाँ वास्तविक विरोध न होते हुए भी विरोध का आभास हो वहाँ विरोधाभास तथा उपमेय में उपमान की सम्भावना होने पर उत्प्रेक्षा अलंकार होता है।

44. (B) 'दोहा' मात्रिक अर्द्धसम छंद है। 'रोला' तथा 'चौपाई' सम मात्रिक छंद तथा 'कुण्डलिया' विषम मात्रिक छन्द है।

45. (C) चौपाई सम मात्रिक छंद है। इसके प्रत्येक चरण में '16' मात्राएँ होती हैं।

46. (C) व्यंजन के साथ स्वर अथवा व्यंजन के मेल से जो विकार या रूपान्तरण होता है, उसे व्यंजन संधि कहते हैं। भगवद्‌गीता में व्यंजन संधि है। भगवत् + गीता।

47. (D) विसर्ग (:) के साथ स्वर अथवा व्यंजन के मेल से जो विकार उत्पन्न होता है। उसे विसर्ग संधि कहते हैं। मनोरम में विसर्ग संधि है। 'मन: + रम'।

48. (B) उपर्युक्त पंक्तियों में 'बड़े' शब्द का प्रयोग संज्ञा की तरह हुआ है।

49. (B) उपर्युक्त पंक्तियों में 'आप' निजवाचक सर्वनाम है। जिस सर्वनाम से स्वयं का बोध हो, उसे निज वाचक सर्वनाम कहते हैं।

50. (A) 'ऋतु' शब्द स्त्रीलिंग है। अन्य तीनों विकल्प पुल्लिंग हैं।

51. (C) बिहारी 'रीतिकाल' के कवि हैं। रीतिकाल को तीन भागों में विभाजित किया गया है। (1) रीतिबद्ध, (2) रीतिमुक्त, (3) रीतिसिद्ध। बिहारी रीतिसिद्ध के अन्तर्गत आते हैं। इनकी प्रसिद्ध रचना 'बिहारी सतसई' है।

52. (D) 'तुलसीदास' भक्ति काल की 'रामभक्ति शाखा' के कवि हैं। सूरदास 'कृष्ण भक्ति शाखा', मीरा 'कृष्ण भक्ति धारा' तथा जायसी सूफी मत के हैं।

53. (A) छत्तीसगढ़ी बोली पूर्वी हिन्दी के अन्तर्गत आती है। 'पश्चिमी हिन्दी' की बोलियाँ—ब्रज भाषा, खड़ी बोली, कन्नौजी, 'पहाड़ी हिन्दी'—गढ़वाली, नेपाली, 'राजस्थानी' हिन्दी मारवाड़ी, जयपुरी, मेवाती प्रमुख बोलियाँ हैं।

54. (B) 'नमक का दरोगा' कहानी के लेखक मुंशी प्रेमचन्द हैं।

55. (B) उपन्यास व कहानी में मूल अन्तर विषय निरूपण का होता है।

56. (A) 'शृंगार' रस का स्थायी भाव 'रति' है। 'हास्य रस' का स्थायी भाव 'हास', 'करुण' का 'शोक' तथा 'शांत' का 'निर्वेद' है।

57. (C) 'गोदान' प्रेमचन्द का एक सामाजिक उपन्यास है। यह उपन्यास जगत के श्रेष्ठतम उपन्यासों में से एक है।

58. (B) 'सूरदास', 'भक्ति काल' के 'कृष्ण भक्ति शाखा' के प्रमुख कवि हैं। इनकी प्रमुख रचना 'सूरसागर', 'सूरसारावली' तथा 'साहित्य लहरी' हैं।

59. (B) वियोगी हरि का पूर्ण नाम श्री हरि प्रसाद द्विवेदी था। इनकी प्रमुख रचनाएँ—साहित्य विहार, वीर सतसई, छत्रसाल दशक, ग्रंथावली, अनुराग वाटिका, छद्मयोगिनी हैं।

60. (D) 'रामचरित मानस' 'तुलसीदास' द्वारा 'अवधी' भाषा में रचा गया सर्वश्रेष्ठ महाकाव्य है। यह सात काण्डों में विभक्त है। इसे 'तुलसी रामायण' या 'तुलसीकृत रामायण' भी कहा जाता है।

61. (A) प्रगति काव्य में भावना और गीतात्मकता की प्रधानता होती है। गेय रचनाओं को प्रगति मुक्तक तथा पाठ्य रचनाओं को पाठ्य मुक्तक कहते हैं। 'निराला' के गीत प्रगति मुक्तक तथा 'बिहारी' के दोहे पाठ्य मुक्तक के अन्तर्गत आते हैं।

62. (D) 'जायसी' के सर्वोत्कृष्ट ग्रन्थ का नाम 'पद्मावत' है यह फारसी भाषा की मसनबी शैली में लिखा गया है। पद्मावत दोहा और चौपाई छन्द में लिखा गया 'अवधी' भाषा का प्रसिद्ध ग्रन्थ है। इसकी अन्य रचनाएँ—अखरावट, कहरनामा, मसलनामा।

63. (B) स्मृति की रेखाएँ महादेवी वर्मा द्वारा लिखित एक संस्मरणात्मक रेखाचित्र है। इनकी अन्य रचनाएँ हैं—अतीत के चलचित्र, बिट्टो, धीसा, मेरा परिवार।

64. (C) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी सन् 1903 से सन् 1920 तक 'सरस्वती' पत्रिका के सम्पादक रहे। इनकी कुछ मौलिक तथा काव्य रचनाएँ हैं—मंजूषा, गंगा लहरी, कान्यकुब्ज, सुमन कुमार सम्भवसार।

65. (A) रामचन्द्र शुक्ल के निबन्ध संग्रह का नाम 'चिन्तामणि' है। चिंतामणि से पहले सन् 1930 में 'विचार वीथी' नाम से इनके निबन्धों का संकलन प्रकाशित हुआ था।

66. (B) 'अन्तरिक्ष' के पर्यायवाची व्योम, आकाश, आसमान, नभ, शून्य, गगन इत्यादि हैं।

67. (A) 'अम्बुज' के पर्यायवाची कमल, शंख, पद्म, पायोज पुण्डरीक, पंकज, शंख, पद्म, अरविन्द इत्यादित हैं।

68. (B) 'खल' के पर्यायवाची नीच, दुर्जन, कुटिल, धूर्त, दुष्ट, अधम, आदि हैं।

69. (B) 'तृण' के पर्यायवाची तिनका, घास, कुश, लेश, पयाल आदि हैं।

70. (D) 'क्षुद्र' के पर्यायवाची नीच, अधम, शूद्र, घटिया आदि हैं।

71. (B) 'उग्र' के पर्यायवाची प्रचंड, क्रोधी, तेज, क्रूर आदि हैं।

72. (C) 'बटोही' के पर्यायवाची शब्द हैं—पथिक, राहगीर, मुसाफिर, यात्री।

73. (A) 'विरद' के पर्यायवाची शब्द हैं—यश, ख्याति, प्रसिद्धि, शौहरत, प्रतिष्ठा।

74. (D) 'यातु' के पर्यायवाची शब्द राक्षस, निशाचर, दानव, रजनीचर, दनुज आदि हैं।

75. (A) 'विभु' के पर्यायवाची शब्द सर्वव्यापक, नित्य, अनन्त आदि हैं।

76. (A) प्रस्तुत पद्यांश का उपर्युक्त शीर्षक 'झाँसी की रानी' होगा।

77. (B) प्रस्तुत कविता 'सुभद्रा कुमारी चौहान' द्वारा रचित है।

78. (D) 'झाँसी की रानी' कविता में वीर रस का प्रयोग किया गया है। सुभद्रा कुमारी चौहान की 'वीरों का कैसा हो बसंत' व 'झाँसी की रानी' रचनाएँ ओज एवं शौर्य से ओत-प्रोत हैं।

79. (C) सुभद्रा कुमारी चौहान की अधिकांश रचनाएँ देशभक्ति पूर्ण हैं। 'वीरों का कैसा हो बसंत' उनकी प्रसिद्ध देशभक्ति पूर्ण रचना है।

80. (A) प्रस्तुत कविता में 'मरदानी' का अर्थ 'वीरांगना' होगा।

81. (D) 'कलेजा पसीज गया' मुहावरे का अर्थ होगा—'दया उत्पन्न होना'।

82. (C) रेखांकित मुहावरा 'आँख उठाकर भी नहीं देखा' मुहावरे का अर्थ 'ध्यान तक न देना' होगा।

83. (B) रेखांकित लोकोक्ति का अर्थ 'जैसा नाम वैसे ही गुण' है।

84. (A) रेखांकित मुहावरा 'नाक रगड़ने' का अर्थ 'विनती करना' होगा।

85. (D) रेखांकित मुहावरा 'मक्खी मारना' का अर्थ 'खाली बैठना' होगा।

86. (D) रेखांकित मुहावरे का अर्थ 'झूठा आश्वासन' देना होगा।

87. (A) रेखांकित मुहावरा 'हक्का-बक्का' का अर्थ 'अचरज में पड़ना' होगा।

88. (A) रेखांकित मुहावरे का अर्थ 'दिल्लगी करना' होगा।

89. (C) रेखांकित मुहावरा 'आपे में नहीं रहते' का अर्थ 'क्रोध में भड़क उठना' है।

90. (B) रेखांकित मुहावरे का अर्थ 'निपट मूर्ख' होगा।

91. (B) दुष्ट वन्दना के पीछे लेखक का उद्देश्य 'दुष्टों को थपकी देकर सुलाना' है।

92. (B) 'रामचरितमानस' एक भक्ति काव्य है। इसमें दुष्ट वन्दना का रहस्य तुलसीदास का सभी को राममय देखना है।

93. (C) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक तुलसीदास का मानवीय दृष्टिकोण है।

94. (D) देवताओं, महापुरुषों, सज्जनों के साथ दुष्टों की वन्दना इसलिए सार्थक कही जायेगी क्योंकि महाकवि तुलसीदास निर्वरता चाहते थे।

95. (D) जीवन में हास्य का महत्व इसलिए है कि वह जीवन को 'सरस बनाता' है।

96. (A) भूषण के आश्रयदाता शिवाजी तथा छत्रसाल बुंदेला थे। इनके प्रमुख ग्रन्थ 'शिवराज भूषण', 'छत्रसाल दशक' व 'शिवा बावनी' हैं। 'छत्रसाल दशक' में इन्होंने छत्रसाल बुंदेला के पराक्रम दानशीलता तथा 'शिवा बावनी' में शिवाजी के गुणों का वर्णन किया है।

97. (A) छत्रपति शवाजी की प्रशस्ति में इन्होंने 'शिवा बावनी' तथा 'शिवराज' भूषण दो काव्य ग्रन्थ लिखे। शिवा बावनी में '52' छन्दों में शिवाजी के गुणों व कीर्ति का वर्णन किया है। 'शिवराज भूषण' में '384' छंदों में शिवाजी के कार्यों का वर्णन किया है।

98. (B) प्रस्तुत गद्यांश का शीर्षक 'भूषण की बुद्धिमत्ता' होगा।

99. (B) छत्रसाल बुंदेला में जिस समय मुगलों का सामना किया, उस समय उनके पास पाँच सवार और पच्चीस पैदल थे।

100. (C) भूषण को वीर रस का कवि कहा जाता है। कवि भूषण को 'भूषण' की उपाधि चित्रकूट के राजा रुद्रशाह के पुत्र 'हृदयराम' ने प्रदान की थी।

101. (A) 'कमल' के अन्य पर्यायवाची या समानार्थी शब्द हैं—पंकज, सरोज, राजीव, पुण्डरीक, अम्बुज। विभावरी, रजनी भामिनी, रात्रि के पर्यायवाची हैं।

102. (B) 'कलानिधि' के अन्य समानार्थी—शशांक, शशि, हिमकर, विधु सुधाकर, मयंक हैं। नीर तथा अम्बु जल के समानार्थी हैं। 'आगार' के समानार्थी हैं—गृह, घर, धाम, निवास।

103. (A) 'तुंग' के पर्यायवाची उन्नत, ऊँचा, उच्च, बुलंद, तथा गनन स्पर्शी, आदि हैं।

104. (B) 'शिरवी' के समानार्थी शब्द हैं—मयूर, कलादी, मेहप्रिय, नर्तकप्रिय, सारंग तथा केकी आदि हैं।

105. (D) मिलिंद के अन्य समानार्थी हैं—षटपद, मधुकर, अलि, मधुप, भौंरा, द्विरेक आदि हैं।

106. (C) 'जिसे किसी से लगाव न हो' उसके लिए एक शब्द 'निर्लिप्त' आयेगा।

107. (A) 'जो कुछ जानने की इच्छा रखता हो' उसे 'जिज्ञासु' कहते हैं।

108. (D) 'जो बात लोगों से सुनी गई हो' उसे 'किंवदन्ती' कहते हैं।

109. (B) 'सबके समानाधिकार पर विश्वास' के लिए एक शब्द 'समाजवाद' आयेगा।

110. (B) 'रजोगुण वाला' के लिए एक शब्द 'राजसिक' आयेगा।

111. (C) प्रस्तुत कविता का शीर्षक 'अस्ताचल रवि' है।

112. (B) इस कविता में निराला जी ने 'अस्तगत सूर्य और उसकी प्रतीक्षा में रत संध्या का वर्णन किया है'।

113. (B) इस पद्यांश में प्रयुक्त शब्द 'प्रतनु' का अर्थ 'क्षीण' होगा।

114. (D) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' हिन्दी के प्रख्यात तथा सर्वोत्कृष्ट छायावादी कवि थे।

115. (C) उपर्युक्त पद्यांश में प्रयुक्त 'गेह' शब्द का अर्थ 'घर' है।

116. (C) यह कविता 'महादेवी वर्मा' द्वारा रचित है।

117. (B) 'नीरजा' से उद्धत इस कविता का आशय है—दुखों से आपूरित हृदय तथा नेत्रों के अश्रुमय होने के बावजूद वीणा मौन क्यों है?

118. (B) इस कविता का उपयुक्त शीर्षक 'आज क्यों तेरी वीणा मौन' है।

119. (B) कवयित्री के बारे में यह निर्विवाद सत्य है कि वह साधना में दूसरी मीरा थीं। उनके काव्य में विरह की प्रधानता है, जो लौकिक न होकर अलौकिक है। इसलिए महादेवी को आधुनिक मीरा कहा जाता है।

120. (B) भाव व्यंजना की दृष्टि से यह कविता श्रेष्ठ रचनाओं में एक है। 'नीहार' महादेवी वर्मा का पहला कविता संग्रह है।

121. (D) कन्नड़ भारत के कर्नाटक राज्य में बोली जाने वाली भाषा तथा कर्नाटक की राजभाषा है। यह भारत की उन 22 भाषाओं में से एक है। जो भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित है। कन्नड़ भारत की सबसे अधिक प्रयोग की जाने वाली भाषाओं में से एक है। 4.50 करोड़ लोग कन्नड़ भाषा प्रयोग करते हैं।

122. (A) शौरसेनी नामक प्राकृत मध्यकाल में उत्तरी भारत की एक प्रमुख भाषा थी यह नाटकों में प्रयुक्त होती थी। बाद में इससे हिन्दी भाषा समूह व पंजाबी विकसित हुए। दिगम्बर जैन परम्परा के सभी जैनाचार्यों ने अपने महाकाव्य शौरसेनी में ही लिखे जो उनके आहत महाकाव्य है।

123. (A) पूर्वी हिन्दी की तीन शृंखाएँ मानी गई हैं- बघेली, छत्तीसगढ़ और अवधी। अवधी बोली अर्द्धमागधी प्राकृत की परम्परा में आती है। यह बोली मुख्यत: अवध में बोली जाती है। अवध में बोली जाने वाली बोलियों के दो भेद हैं—
1. पूर्वी हिन्दी 2. पश्चिमी हिन्दी

124. (B) ब्रजभाषा मूलत: ब्रजक्षेत्र की बोली है। विक्रम की तेरहवीं ज्ञाताब्दी से लेकर 20 वीं ज्ञाताब्दी तक भारत में साहित्यिक भाषा रहने के कारण ब्रज की इस जनपदीय बोली ने अपने विकास के साथ भाषा नाम प्राप्त किया और ब्रजभाषा नाम से जानी जाने लगी। ब्रज भाषा, मथुरा, आगरा, धौलपुर और अलीगढ़ जिलों में बोली जाती है।

125. (D) मागधी अपभ्रंश के मध्यवर्ती रूप से विकसित यह बोली हिन्दी और बांग्ला क्षेत्र की संधि मिथिला में बोली जाती है। दरभंगा, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया तथा मुंगेर आदि में इसका क्षेत्र है। लोक साहित्य की दृष्टि से मैथिली बहुत सम्पन्न है। साथ ही इसमें साहित्य रचना अत्यंत प्राचीन काल से होती चली आई है। हिन्दी साहित्य को विद्यापति जैसे रससिद्व कवि देने का श्रेय मैथिली को ही है।

उ. प्र. लोक सेवा आयोग, एल.टी. ग्रेड, 2018

हिन्दी

हल प्रश्न-पत्र

परीक्षा तिथि : 29-07-2018

1. अनुभावों और विभावों की कष्ट-कल्पना किस प्रकार का दोष है?
(A) समास दोष
(B) रस दोष
(C) पद दोष
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

1. (B) अनुभावों और विभावों की कष्ट-कल्पना रस दोष है। रसों की संख्या 9 मानी गयी है जबकि भरतमुनि ने रसों की संख्या 8 तथा आधुनिक मनीषियों ने इसे 11 माना है। स्थायी भावों की संख्या 9, संचारीभावों की संख्या 33, विभाव 2 तथा अनुभावों की संख्या 4 है।

2. निम्नलिखित पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?
"अधर धरत हरि के परत, ओठ दीठि पट जोति।
हरित बाँस की बाँसुरी, इद्रधनुष रंग होति॥"
(A) विभावना (B) विशेषोक्ति
(C) अतद्गुण (D) तद्गुण

2. (D) जहाँ कोई वस्तु अपना गुण छोड़कर साथ की वस्तु का गुण धारण कर लेती है, वहाँ तद्गुण अलंकार होता है। यहाँ पर जैसे ही हरे बाँस की बाँसुरी श्रीकृष्ण के अधरों के सम्पर्क में आती है, वह इन्द्रधनुष के रंगों में बदल जाती है। अतः यहाँ तद्गुण अलंकार होगा।

3. "चिकरहिं मर्कट भालू छलबल करहिं जेहि खल छीजहिं"—पंक्ति में काव्यगुण है—
(A) प्रसाद
(B) ओज
(C) माधुर्य
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

3. (B) दी गयी पंक्ति में ओज काव्यगुण है। जहाँ बल और वीरता का प्रदर्शन होता है वहाँ ओज काव्यगुण होता है।

4. उच्चारण स्थान के आधार पर 'ञ' व्यंजन है—
(A) तालव्य (B) मूर्धन्य
(C) कण्ठ्य (D) ओष्ठ्य

4. (A) 'ञ' च वर्ग का व्यंजन है। 'च' वर्ग स्पर्श व्यंजनों का उच्चारण स्थान 'तालव्य' होता है।

5. हिन्दी के 'अनुस्वार' किस ध्वनि का सूचक नहीं है?
(A) ङ (B) ञ
(C) ण (D) य

5. (D) हिन्दी के अनुस्वार 'ञ' 'ङ' 'ण' 'न' अनुस्वार ध्वनि के सूचक हैं, जबकि 'य' अनुस्वार ध्वनि का सूचक नहीं है।

6. 'जिस व्यक्ति का चित्त किसी भी देश, काल और परिस्थिति में एक समान रहता है', उसके लिए उपर्युक्त शब्द है—
(A) अलौकिक (B) स्थिरचित
(C) शांतचित्त (D) समदर्शी

6. (C) जिस व्यक्ति का चित्त किसी भी देश, काल और परिस्थिति में एक समान रहता हो उसे शांतचित्त कहते हैं।

7. "कहत नटत रीझत मिलत खिलत लजियात।
भरे भोन में करत हैं, नैनन की सौ बात॥" में कौन-सा रस है?
(A) विप्रलम्ब (B) संयोग शृंगार
(C) शान्त (D) अद्भुत

7. (B) दी गयी पंक्ति में प्रियतम से मिलन का वर्णन है अतः यहाँ संयोग शृंगार रस है। शृंगार रस का स्थायी भाव रति होता है। इसके दो भाग होते हैं— 1. संयोग शृंगार रस, 2. वियोग शृंगार रस (विप्रलम्ब)।

8. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द विशेषण है—
(A) मेजपोश (B) मिठास
(C) सौतला (D) सरलता

8. (C) दिये गये शब्दों में सौतेला विशेषण शब्द है, जबकि मेजपोश, मिठास और सरलता संज्ञाएँ हैं।

9. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द सर्वनाम नहीं है?
(A) कौन (B) कोई
(C) उसने (D) दसगुना

9. (D) 'कौन', 'कोई', 'उसने' तीनों शब्द सर्वनाम शब्द हैं जबकि 'दसगुना' शब्द विशेषण है।

10. सिर पर पाँव रखकर भागना—मुहावरे का सही अर्थ है—
(A) सर्कस दिखाना (B) तुरंत भाग जाना
(C) करतूत दिखाना (D) चोट पहुँचाना

10. (B) 'सिर पर पाँव रखकर भागना' मुहावरे का भावार्थ तुरन्त भाग जाना होता है।

11. 'दुर्व्यवहार' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है—
(A) दुः (B) वी
(C) अव (D) उपर्युक्त सभी

11. (A) दुर्व्यवहार शब्द में 'दुः' उपसर्ग है, ऐसी स्थिति में विसर्ग र् में बदल जाता है।

12. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द विदेशी स्रोत का है?
(A) रोशनदान (B) आलस
(C) उलूक (D) आज

12. (A) 'रोशनदान' विदेशी स्रोत का शब्द है जबकि आलस, उलूक और आज हिन्दी के मूल शब्द हैं।

13. 'सामिष' का विलोमार्थक शब्द है—
(A) आमिष (B) अनमिष
(C) निरामिष (D) निरमिष

13. (C) सामिष का विलोमार्थक शब्द निरामिष होता है।

14. निम्नलिखित में से अभ्र का पर्यायवाची है—
(A) रत्नाकर (B) बादल
(C) आकाश (D) पवन

14. (B) 'अभ्र' बादल का पर्यायवाची शब्द है। बादल के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं—मेघ, जलद, पर्जन्य, जगजीवन, अंबुद, धर, घन, नीरद, जलधर आदि।

15. कतिपय हिन्दी वैयाकरणों द्वारा 'संज्ञा प्रतिनिधि' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है?
(A) क्रिया के लिए
(B) विशेषण के लिए
(C) संज्ञा के भेद के लिए
(D) सर्वनाम के लिए

15. (D) कतिपय हिन्दी वैयाकरणों द्वारा 'संज्ञा प्रतिनिधि' शब्द सर्वनाम के लिए प्रयुक्त किया जाता है। जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होता है, उसे सर्वनाम कहते हैं। अतः सर्वनाम संज्ञा का प्रतिनिधि होता है।

16. किस शब्द में 'तद्धित' प्रत्यय का प्रयोग नहीं है?
(A) सुनहरा (B) पाठक
(C) लड़ाई (D) दर्शनीय

16. (C) 'लड़ाई' शब्द में कृत प्रत्यय है। वे प्रत्यय जो क्रिया या धातु के अन्त में लगे होते हैं कृत प्रत्यय कहलाते हैं। यहाँ लङ् धातु में आई प्रत्यय लगा है जबकि सुनहरा, पाठक और दर्शनीय में तद्धित प्रत्यय है।

17. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य शुद्ध है?
(A) मैं अपना कार्य स्वयं कर देता हूँ।
(B) परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी नहीं होना चाहिए।
(C) शायद वह अवश्य आएगा।
(D) भारत में अनेक जाति के लोग रहते हैं।

17. (B) परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी नहीं होना चाहिए। यह वाक्य व्याकरण की दृष्टि से शुद्ध है, जबकि अन्य विकल्पों में दिये गये वाक्यों में अशुद्धियाँ हैं।

18. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध है?
(A) पुष्पांजली (B) मंत्रीपरिषद्
(C) वाल्मीकि (D) अध्यात्मिक

18. (C) वाल्मीकि शब्द वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध है। पुष्पांजली की शुद्ध वर्तनी पुष्पांजलि, मंत्रीपरिषद् की शुद्ध वर्तनी मंत्रिपरिषद् तथा अध्यात्मिक की शुद्ध वर्तनी आध्यात्मिक होती है।

19. निम्नलिखित में से माघ विरचित कृति है–
(A) बुद्धचरितम (B) स्वप्नवासवदत्तम
(C) रघुवंशम (D) शिशुपालवधम

19. (D) शिशुपालवधम महाकवि माघ द्वारा रचित संस्कृत महाकाव्य है जिसकी कथा वस्तु महाभारत से ली गयी है।

20. "नमः स्वस्ति स्वाहा स्वधा.." के योग में प्रयुक्त होती है–
(A) द्वितीय विभक्ति (B) चतुर्थी विभक्ति
(C) तृतीया विभक्ति (D) पंचमी विभक्ति

20. (B) 'नमः स्वस्ति स्वाहा स्वधा' के योग में चतुर्थी विभक्ति प्रयुक्त की गयी है।

21. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना श्री हर्ष की नहीं है?
(A) शिशुपालवध
(B) अर्णव वर्णन
(C) छिन्द प्रशस्ति
(D) नवसाहसांक चरित चम्पू

21. (A) अर्णव वर्णन, छिन्द प्रशस्ति तथा 'नवसाहसांक चरित चम्पू' श्री हर्ष द्वारा रचित काव्य है जबकि 'शिशुपालवध' माघ द्वारा रचित है।

22. 'ऋग्वेद' का सही संधि विच्छेद है–
(A) ऋग + वेद (B) ऋग् + वेद
(C) ऋक् + वेद (D) ऋ + ग्वेद

22. (C) ऋग्वेद की संधि विच्छेद ऋक् + वेद होता है। इसमें व्यंजन संधि है। किसी वर्ग के पहले वर्ण क्, च्, ट्, त्, प् का मेल किसी वर्ग के तीसरे अथवा चौथे वर्ण या य्, र्, ल्, व्, ह् या किसी स्वर से हो जाए क् को ग्, च् को ज्, ट् को ड् और प् को ब् हो जाता है।

23. "गाँव के दोनों और रास्ते हैं"–का संस्कृत में सही अनुवाद होगा–
(A) ग्रामस्य परितः मार्गाणि सन्ति
(B) ग्रामम उभयतः मार्गो स्तः
(C) ग्रामम उभयतः मार्गः सन्तिः
(D) ग्रामस्य उभयतः मार्गो स्तः

23. (A) 'गाँव के दोनों ओर रास्ते हैं।' का संस्कृत अनुवाद ग्रामस्य परितः मार्गाणि सन्ति होगा।

24. काव्य रचना की दृष्टि से महाकवि माघ किन तीन गुणों से विभूषित स्वीकार किये जाते हैं?
(A) सत्व, रज, तम
(B) ओज, प्रसाद, माधुर्य
(C) गौडी, वैदर्भी, पांचाली
(D) उपमा, अर्थगौरव, पदलालित्य

24. (D) उपमा, अर्थगौरव, पदलालित्य–इन तीन गुणों का सुभग सह-अस्तित्व माघ के काव्य में मिलता है। 'माघे सन्ति त्रयो गुणाः' उनके बारे में सुप्रसिद्ध है।

25. कालिदास की किस रचना को दूतकाव्य माना जाता है?
(A) अभिज्ञानशाकुंतलम
(B) विक्रमोर्वशीयम
(C) मेघदूतम
(D) मालविकाग्निमित्रम

25. (C) कालिदास की प्रमुख रचनाएँ अभिज्ञान शाकुंतलम, रघुवंशम्, कुमार संभवम्, ऋतु संहार, मेघदूतम् आदि हैं। मेघदूतम् को कालिदास का दूत काव्य कहा गया है।

26. निम्नलिखित में से कौन-सा संस्कृत वाक्य कारक प्रयोग की दृष्टि से अशुद्ध है?
(A) सीता रावणं अकुप्यत
(B) धनं परिश्रमेण भवति
(C) मह्यम पुस्तकं देहि
(D) रामः स्वाग्रंज गुणैः अतिशेते

26. (A) सीता रावणं अकुप्यत वाक्य कारक की दृष्टि से अशुद्ध है। क्योंकि संस्कृत में क्रुधदुह एर्यागयानाम अयं प्रति कोषा सुम से चतुर्थी विभक्ति का प्रयोग होता है अथवा क्रुध घानुसे पहले कोई उपसर्ग आता है तो द्वितीया विभक्ति का प्रयोग होता है इस वाक्य में न तो चतुर्थी है और नहीं कोई उपसर्ग है इसलिए कारक की दृष्टि से यह अशुद्ध है इसका सही सीता रावणाय अकुप्यती होना। शेष तीनों विकल्प सही हैं।

27. 'गम्' धातु का विधिलिंग, प्रथम पुरुष एकवचन में सही रूप है–
(A) गच्छेत (B) गच्छेत्
(C) गच्छतु (D) गच्छेताम्

27. (B) गम् धातु प्रथम पुरुष विधिलिङ्ग लकार एकवचन का रूप गच्छेत् होता है, जबकि मध्यम पुरुष बहुवचन का रूप गच्छेत होगा। गम धातु के रूप विधिलिङ्ग लकार में निम्नवत् चलेंगे।

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	गच्छेत्	गच्छेताम्	गच्छेयुः
मध्यम पुरुष	गच्छेः	गच्छेतम्	गच्छेत
उत्तम पुरुष	गच्छेयम्	गच्छेप	गच्छेम

28. 'षडानन' का संधि-विच्छेद होगा–
(A) शड् + आनन (B) षड् + आनन
(C) षट् + आनन (D) षडा + नन

28. (C) षडानन में व्यंजन संधि है इसका संधि-विच्छेद–षट् + आनन होगा। किसी वर्ग के पहले वर्ण क्, च्, ट्, त्, प् का मेल किसी वर्ग के तीसरे अथवा चौथे वर्ण या य्, र्, ल्, व्, ह् या किसी स्वर से हो जाए क् को ग्, च् को ज्, ट् को ड् और प् को ब् हो जाता है।

29. 'मदमाता' में कौन-सा समास है ?
(A) अव्ययीभाव (B) कर्मधारय
(C) द्वंद्व (D) तत्पुरुष

29. (D) 'मदमाता' में तत्पुरुष समास है, इसका समासिक विग्रह है मद से माता। इसमें अपादान तत्पुरुष है। अव्ययीभाव समास में प्रथम पद प्रधान होता है। कर्मधारय समास में प्रथम पद विशेषण तथा द्वितीय पद विशेष्य होता है। द्वंद समास में दोनों पद प्रधान होते हैं।

30. द्वंद्व समास की प्रमुख विशेषता है–
(A) प्रथम पद प्रधान होता है
(B) उत्तर पद प्रधान होता है
(C) दोनों पद प्रधान होते हैं
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

30. (C) द्वंद्व समास में दोनों पद प्रधान होते हैं। जैसे–राधे-श्याम, सीता-राम, दिन-रात आदि।

31. कालिदास के नाटकों में स्त्रियाँ तथा निम्न श्रेणी के पात्र किस भाषा में बोलते हैं ?
(A) संस्कृत
(B) प्राकृत
(C) संस्कृत मिश्रित प्राकृत
(D) अशुद्ध संस्कृत

31. (B) कालिदास के नाटकों में स्त्रियाँ तथा निम्न श्रेणी के लोग प्राकृत भाषा बोलते हैं, जबकि सभ्रान्त पात्र संस्कृत बोलते हैं।

32. निम्नलिखित में से कौन-सी एक रचना भवभूति की है ?
(A) उत्तररामचरितम् (B) कादम्बरी
(C) किरातार्जुनीयम् (D) नैषधीयचरितम्

32. (A) उत्तररामचरितम् के लेखक भवभूति हैं।
कादंबरी—बाणभट्ट,
किरातार्जुनीयम्—भारवि
नैषधीयचरितम्—श्री हर्ष

33. 'पाणिपदम्' का विग्रह है—
(A) पाणि च पादम् च (B) पाणी च पादौ च
(C) पणिम् च पादम् च (D) पाणी च पादौ च

33. (A) 'पाणिपदम्' का विग्रह—पाणि च पादम् च होता है। इसका अर्थ है—हाथ भी और पैर भी।

34. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल कृत 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' प्रधानतः 'हिन्दी सागर' की भूमिका में किस शीर्षक से प्रकाशित हुआ था ?
(A) हिन्दी साहित्येतिहास की भूमिका
(B) हिन्दी साहित्य की भूमिका
(C) हिन्दी साहित्य का विकास
(D) हिन्दी साहित्य का सागर

34. (C) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल कृत 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' प्रधानतः 'हिन्दी सागर' की भूमिका में 'हिन्दी साहित्य का विकास' शीर्षक से प्रकाशित हुआ था।

35. निम्नलिखित में से कौन रचनाकार ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित नहीं हैं—
(A) महादेवी वर्मा
(B) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(C) सुमित्रानंदन पंत
(D) रामधारी सिंह 'दिनकर'

35. (B) दिये गये विकल्पों में से हजारी प्रसाद द्विवेदी को ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित नहीं किया है। सुमित्रानंदन पंत को उनकी कृति चिदंबरा के लिए 1968 में ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया गया तथा रामधारी सिंह दिनकर को 1972 में 'उर्वशी' के लिए और महादेवी वर्मा को 1982 में 'यामा' के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

36. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने 'उत्तर मध्यकाल' को क्या नाम दिया है ?
(A) शृंगारकाल (B) अलंकृतकाल
(C) रीतिकाल (D) मध्यकाल

36. (C) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने उत्तर मध्यकाल को रीतिकाल कहा था। उत्तर मध्यकाल को शृंगारकाल—आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ने तथा अलंकृत काल—मिश्र बन्धुओं ने नाम दिया था।

37. हिन्दी के किस इतिहासकार के मतानुसार 'शालिभद्र सूरि' हिन्दी के प्रथम कवि हैं ?
(A) डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
(B) डॉ. नगेन्द्र
(C) डॉ. रामकुमार वर्मा
(D) डॉ. धीरेन्द्र वर्मा

37. (A) डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त ने शालिभद्र सूरि को हिन्दी का प्रथम कवि माना है, जबकि अन्य अधिकांश विद्वानों ने 'सरहपा' को हिन्दी का प्रथम कवि माना है।

38. "कविता करके तुलसी न लसे, कविता लसी पा तुलसी की कला।" यह प्रशंसात्मक उक्ति किसने लिखी है ?
(A) मैथिलीशरण गुप्त
(B) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(C) रामचंद्र शुक्ल
(D) बालमुकुंद गुप्त

38. (B) उपर्युक्त उक्ति अयोध्या सिंह उपाध्याय की है, हरिऔध जी के शब्दों में हम कह सकते हैं कि तुलसीदास जी ने कविता को नया सम्बल दिया है। तुलसीदास जी हिन्दी के अनुपम कलाकार हैं। श्रीराम के साथ ही उनका नाम भी अजर-अमर रहेगा।

39. "केशव कहि जाइ का कहिए"—पंक्ति के रचनाकार कौन हैं ?
(A) सूरदास (B) रहीम
(C) केशवदास (D) तुलसीदास

39. (D) उपर्युक्त पंक्ति तुलसीदास द्वारा रचित 'विनयपत्रिका' से ली गयी है। स्मरण रहे विनयपत्रिका तुलसीकृत बृजभाषा की रचना है।

40. 'सूरज किरन की छाँव'—आँचलिक उपन्यास के लेखक हैं—
(A) राजेन्द्र अवस्थी (B) शैलेश मटियानी
(C) देवेन्द्र सत्यार्थी (D) उदयशंकर भट्ट

40. (A) 'सूरज किरण की छाँव' एक आँचलिक उपन्यास है जिसके लेखक राजेन्द्र अवस्थी हैं। इनकी अन्य प्रमुख रचनाएँ—जंगल के फूल, जाने कितनी आँखें, मकड़ी के जाले, दो जोड़ी आँखे, दोस्तों की दुनिया आदि हैं।

41. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रेमाख्यान परम्परा की पहली रचना किसे मानते हैं ?
(A) सत्यवती कथा (B) चन्द्रयान
(C) मृगावती (D) हंसावली

41. (C) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने प्रेमाख्यान परम्परा की पहली रचना मृगावती को माना था। मृगावती की रचना 1503 ई. में कुतबन ने की थी। इस परम्परा की सर्वाधिक प्रसिद्ध रचना पद्मावत है जिसकी रचना मलिक मुहम्मद जायसी ने की थी।

42. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना शिवदान सिंह चौहान की है ?
(A) हिन्दी साहित्य की जनवादी परम्परा
(B) जार्नतिक
(C) प्रेमचंद! विरासत का सवाल
(D) हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष

42. (D) 'हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष' शिवदान सिंह चौहान की रचना है। इनकी अन्य प्रमुख रचनाएँ—साहित्य की परख, साहित्यानुशीलन, आलोचना के मान, साहित्य की समस्याएँ आदि हैं।

43. 'राउरबेल' किस तरह की रचना है ?
(A) गद्य-पद्य मिश्रित चम्पू
(B) शुद्ध काव्य
(C) नाटक
(D) प्रेमाख्यानक प्रबंधकाव्य

43. (A) राउरबेल गद्य-पद्य मिश्रित चम्पू रचना है। इसके रचनाकार रोड़ा कवि हैं। इसकी रचना दशवीं शताब्दी में हुई थी।

44. प्रसिद्ध समीक्षक रमेश कुंतल 'मेघ' को उनकी किस कृति के लिए वर्ष 2017 का 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' दिया गया ?
(A) अथातो सौन्दर्य जिज्ञासा
(B) साक्षी है सौन्दर्य प्राश्निक
(C) क्योंकि समय एक शब्द है
(D) विश्वमिथकसरित्सागर

44. (D) प्रसिद्ध समीक्षक रमेश कुन्तल 'मेघ' को उनकी कृति 'विश्व मिथक सरित्सागर' के लिए वर्ष 2017 में साहित्य अकादमी पुरस्कार प्रदान किया गया था। इनकी प्रमुख रचनाएँ मिथक और स्वप्न, आधुनिकता का बोध और आधुनिकीकरण, 'क्योंकि समय एक शब्द है, कला शास्त्र और मध्ययुगीन भाषिकी क्रान्तियाँ, वाग्मी होलो आदि हैं।

45. प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन कहाँ हुआ था ?
(A) दिल्ली (B) नागपुर
(C) मॉरिशस (D) लंदन

45. (B) प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के सहयोग से 1975 ई. में नागपुर (महाराष्ट्र) में सम्पन्न हुआ था। प्रारम्भ में इसका आयोजन हर चौथे वर्ष में किया जाता था परन्तु अब यह अन्तराल घटाकर 3 वर्ष कर दिया गया है।

46. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (कविता)	सूची-II (रचनाकार)
(a) जूही की कली	1. अज्ञेय
(b) नौका विहार	2. माखनलाल चतुर्वेदी
(c) नदी के द्वीप	3. सुमित्रानंदन पंत
(d) पुष्प की अभिलाषा	4. निराला

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	3	1	2
(B)	4	1	2	3
(C)	3	2	1	4
(D)	1	4	3	2

46. (A) कविता और रचनाकार का सही क्रम है–

कविता	रचनाकार
जूही की कली	निराला
नौका विहार	सुमित्रानंदन पंत
नदी के द्वीप	अज्ञेय
पुष्प की अभिलाषा	माखन लाल चतुर्वेदी

47. निम्नलिखित में विष्णु प्रभाकर लिखित यात्रावृत्त कौन-सा है ?
(A) घाट-घाट का पानी
(B) ज्योतिपुंज हिमालय
(C) दरख्तों के पार शाम
(D) सागर के आर-पार

47. (B) 'ज्योति पुंज हिमालय' विष्णु प्रभाकर द्वारा लिखित यात्रावृत्त है। इनकी प्रमुख रचनाएँ–अर्द्धनारीश्वर, आवारा मसीहा, क्षमादान तथा पंखहीन हैं।

48. महादेवी वर्मा द्वारा लिखित 'पथ के साथी' में निम्नलिखित में से किस साहित्य का संस्मरण नहीं है ?
(A) मैथिलीशरण गुप्त
(B) रवीन्द्रनाथ टैगोर
(C) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
(D) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

48. (D) महादेवी वर्मा द्वारा लिखित 'पथ के साथी' में रवीन्द्रनाथ टैगोर, मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन पंत, सुभद्राकुमारी चौहान तथा सियारामशरण गुप्त के उत्कृष्ट शब्द-चित्र हैं।
पथ के साथी में अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध का संस्मरण नहीं है।

49. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी को केन्द्र में रखकर लिखी गई पुस्तक 'व्योमकेश दरवेश' के लेखक हैं–
(A) राजदेव सिंह (B) केदारनाथ सिंह
(C) विश्वनाथ सिंह (D) रमेश कुन्तल मेघ

49. (C) 'व्योमकेश दरवेश' हजारी प्रसाद द्विवेदी की जीवनी है। जिसके लेखक विश्वनाथ त्रिपाठी हैं। इनकी अन्य प्रमुख रचनाएँ–हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास, नंगातलाई का गाँव, लोकवादी तुलसीदास आदि हैं।

50. वर्ष 2017 का ज्ञानपीठ पुरस्कार निम्नलिखित में से किस लेखिका को दिया गया है ?
(A) कृष्णा सोबती (B) मृदुला गर्ग
(C) चित्रा मुद्गल (D) मन्नू भण्डारी

50. (A) वर्ष 2017 का ज्ञानपीठ पुरस्कार कृष्णा सोबती को उनके उत्कृष्ट साहित्य कर्म के लिए प्रदान किया था। स्मरण रहे हिन्दी का प्रथम ज्ञानपीठ पुरस्कार सुमित्रानंदन पंत को उनकी रचना 'चिदंबरा' के लिए वर्ष 1968 में प्रदान किया गया था।

51. "मैं उनका आदर्श नहीं जो व्यथा न खोल सकेंगे, पूछेगा जग किन्तु पिता का नाम न बोल सकेंगे। जिनका निखिल विश्व में कोई कहीं न अपना होगा मन में लिए उमंग जिन्हें चिरकाल कलपना होगा।।" उपर्युक्त पंक्तियाँ 'दिनकर' की किस रचना की हैं ?
(A) कुरुक्षेत्र
(B) रश्मिरथी
(C) सामधेनी
(D) परशुराम की प्रतीक्षा

51. (B) दी गयी पक्तियाँ रामधारी सिंह 'दिनकर' द्वारा रचित 'रश्मिरथी' से ली गयी हैं। रश्मिरथी का प्रसंग महाभारत से लिया गया है, इसका नायक 'कर्ण' है।

52. 'एक और द्रोणाचार्य' किसकी नाट्यकृति है ?
(A) सुरेंद्र वर्मा (B) लक्ष्मीनारायण लाल
(C) शंकर शेष (D) भीष्म साहनी

52. (C) 'एक और द्रोणाचार्य' एक नाटक है जिसकी रचना शंकर शेष ने की थी। इस नाटक में एक शिक्षक की तुलना द्रोणाचार्य से की गयी है। डॉ. शंकर शेष हिन्दी के प्रसिद्ध नाटककार तथा सिनेमा के कथा लेखक थे। शंकर जी का जन्म 02 अक्टूबर, 1933 को मध्य प्रदेश के बिलासपुर में हुआ था।

53. "यह निःसंकोच कहा जा सकता है कि भाषा पर जैसा अचूक अधिकार इनका था, वैसा और किसी कवि का नहीं।" रामचंद्र शुक्ल का कथन किस कवि के सम्बन्ध में है ?
(A) कबीरदास (B) तुलसीदास
(C) भारतेन्दु हरिश्चंद्र (D) घनानंद

53. (A) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने कबीर के विषय में कहा था कि "यह निःसंकोच कहा जा सकता है कि भाषा पर जैसा अचूक अधिकार इनका था वैसा किसी और का नहीं।"

54. हिन्दी आलोचना में शुक्ल जी की चिंतनात्मक मान्यताओं को सबसे प्रबल समर्थन किसने दिया?
(A) डॉ. नगेन्द्र
(B) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
(C) मुक्तिबोध
(D) रामविलास शर्मा

54. (B) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल एक महान आलोचक थे। उन्होंने हिन्दी साहित्य में अविस्मरणीय योगदान दिया है उनकी चिन्तनात्मक मान्यताओं का सबसे प्रबल समर्थन विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ने किया है।

55. आधुनिक एकांकी के जनक माने जाते हैं–
(A) उदयशंकर भट्ट (B) जयशंकर प्रसाद
(C) रामकुमार वर्मा (D) जगदीशचंद्र माथुर

55. (C) आधुनिक एकांकी के जनक डॉ. रामकुमार वर्मा को माना जाता है। इनकी प्रमुख रचनाएँ–अंजली, अभिशाप, निशीथ, जौहर, चित्तौड़ की चिता आदि।

56. 'सूरदास' प्रेमचंद के किस उपन्यास का पात्र है ?
(A) वरदान (B) रंगभूमि
(C) गोदान (D) प्रतिज्ञा

56. (B) 'सूरदास' प्रेमचंद द्वारा रचित 'रंगभूमि' उपन्यास का सबसे मजबूत पात्र है। सूरदास लगातार ब्रिटिश शासन के कानूनों और उनके भारतीय नुमाइंदों की मुखालफत करता है। प्रेमचंद सूरदास को गांधी का ही रूप मानते हैं।

57. रीतिकाल को 'अलंकृत काल' किस इतिहासकार ने कहा है ?
(A) मिश्रबंधु
(B) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
(C) रामचन्द्र शुक्ल
(D) रामकुमार वर्मा

57. (A) रीतिकाल को 'अलंकृत काल' मिश्रबन्धुओं ने कहा है।

रीतिकाल	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
कलाकाल	डॉ. रामकुमार वर्मा
शृंगारकाल	आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
काव्यकला काल	डॉ. रसाल

58. "मैं हिन्दुस्तान की तूंती हूँ, अगर तुम वास्तव में मुझसे कुछ पूछना चाहते हो, तो हिन्दवी में पूछो, जिससे कि मैं कुछ अद्भुत बातें बता सकूँ।" यह किसका कथन है ?
(A) अमीर खुसरो (B) कण्हपा
(C) मौलवी करीम (D) इनमें से कोई नहीं

58. (A) उपर्युक्त कथन अमीर खुसरो का है। अमीर खुसरो निजामुद्दीन औलिया के शिष्य थे और आदिकाल के प्रसिद्ध कवि थे। उनकी मुकरी और पहेलियाँ बहुत लोकप्रिय हैं। अमीर खुसरो ने सितार और तबला का आविष्कार किया था। वह स्वयं को तूती ए हिन्द कहते थे।

59. निम्नलिखित में से कौन स्वामी रामानंद का शिष्य नहीं था ?
(A) अनंतानंद (B) सुखानंद
(C) नरहर्यानंद (D) रैदास

59. (C) स्वामी रामानन्द रामाश्रयी शाखा के महान सन्त थे। उनके प्रमुख शिष्य कबीर, रैदास, अनंतानन्द, सुखानंद आदि थे। नर हर्यानंद, रामानन्द के शिष्य नहीं थे।

60. "गोद लिए हुलसी फिरै तुलसी सो सुत होय।" पंक्ति का लेखक कौन-सा भक्त कवि है ?
(A) सूरदास (B) रसखान
(C) रहीम (D) नरहरिदास

60. (C) उपर्युक्त कथन रहीमदास जी ने तुलसीदास के सन्दर्भ में कहा था। रहीम अकबर के दरबारी, एक विद्वान और उत्तम कवि थे। वे महात्मा तुलसीदास से बहुत प्रभावित थे।

61. 'रामकृष्ण परमहंस' जीवन को लक्ष्य करके लिखी गई पुस्तक 'हलचल के पंख' के लेखक हैं–
(A) रामचंद्र तिवारी (B) मोहन अवस्थी
(C) कृष्णबिहारी मिश्र (D) कुबेरनाथ राय

61. (B) हलचल के पंख के रचनाकार डॉ. मोहन अवस्थी हैं इस रचना में रामकृष्ण परमहंस का जीवन वृत्तांत प्रस्तुत किया गया है। डॉ. मोहन अवस्थी की अन्य रचनाएँ–अग्निगंध, अभिशप्त, महारथी, बालकविता आदि हैं।

62. 'रेखाएँ बोल उठीं' रेखाचित्र किसने लिखा है–
(A) देवेन्द्र सत्यार्थी (B) शान्तिप्रिय द्विवेदी
(C) शिवपूजन सहाय (D) उपेन्द्रनाथ 'अश्क'

62. (A) 'रेखाएँ बोल उठीं' देवेन्द्र सत्यार्थी द्वारा लिखित रेखाचित्र है। देवेन्द्र सत्यार्थी की अन्य रचनाएँ–ब्रह्मचारी, रफूगर, मन्दिर वाली गली, जुलूस, सलाम लाहौर, आदि हैं।

63. केवल छः निबंध लिखकर निम्नलिखित में से किस लेखक ने हिन्दी जगत में ख्याति अर्जित की है ?
(A) माधवप्रसाद मिश्र (B) पूर्णसिंह
(C) प्रतापनारायण मिश्र (D) गोविंदनारायण मिश्र

63. (B) सरदार पूर्णसिंह द्विवेदी युग के महान निबन्धकार के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने केवल छः निबन्ध लिखे– सच्चीवीरता, आचरण की सभ्यता, मजूदरी और प्रेम, अमेरिका का मस्तजोगी वाल्ट हिटमैन, कन्यादान और पवित्रता उनके छः निबन्ध हैं।

64. "कविता मनुष्य को स्वार्थ सम्बन्धों के संकुचित पेरे से ऊपर उठाती है।" यह कथन किसका है ?
(A) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(B) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
(C) श्यामसुन्दर दास
(D) डॉ. गनेन्द्र

64. (A) उपर्युक्त सूक्ति आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की प्रसिद्ध सूक्ति है। रामचन्द्र शुक्ल की अन्य प्रसिद्ध सूक्तियाँ हैं: 1. साहित्य समाज का दर्पण है, 2. भूत का भार आदमी की कमर तोड़ देता है और भविष्य की चिन्ता उसे कायर बनाती है।

65. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (काव्य पंक्तियाँ)	सूची-II (रचनाकार)
(a) मोरपखा सिर ऊपर राखिहौं	1. रसखान
(b) बसौ म्हारे नैनन में नंदलाल	2. मीरा
(c) भक्तन को कहा सीकर सों काम	3. सूरदास
(d) प्रीति कर दीन्हीं गरे छुरी	4. कुम्भनदास

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	4	2	3	1
(C)	1	2	4	3
(D)	2	4	1	3

65. (C)

काव्य पंक्तियाँ	रचनाकार
मोर पखा सिर ऊपर राखिहौं	रसखान
बसौ म्हारे नैनन में नंदलाल	मीरा
भक्तन को कहा सीकर सों काम	कुम्भनदास
प्रीत कर दीन्हीं गरे छुरी	सूरदास

66. जयशंकर प्रसाद के किस नाटक में कार्नेलिया विदेशी पात्र है–
(A) स्कंदगुप्त (B) चंद्रगुप्त
(C) विशाख (D) अजातशत्रु

66. (B) जयशंकर प्रसाद के प्रसिद्ध नाटक 'चन्द्रगुप्त' का पात्र कार्नेलिया एक विदेशी पात्र है। कार्नेलिया का गीत इस नाटक का लोकप्रिय गीत है।

67. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना भिखारीदास की नहीं है ?
(A) रससारांश (B) काव्यनिर्णय
(C) शृंगार निर्णय (D) भाषाभूषण

67. (D) भाषाभूषण के लेखक जसवन्त सिंह हैं। भिखारीदास की प्रमुख रचनाएँ–इस सारांश, काव्य निर्णय, शृंगार निर्णय, छन्दोर्णव पिंगल, अमरकोश, विष्णुपुराण भाषा और सतरंज शासिका हैं।

68. सूरदास के विषय में कौन-सा कथन गलत है ?
(A) सूरदास को सभी विद्वान जन्मान्ध मानते हैं।
(B) सूरदास श्रीनाथ मंदिर, वृन्दावन में कीर्तन करते थे।
(C) सूरदास बल्लभाचार्य के शिष्य थे।
(D) "प्रभु हौं सब पतितन को राजा।
परनिन्दा मुख पूरी रह्यौ जग, वह निसान नित बाजा।।–पंक्तियाँ सूरदास द्वारा लिखित हैं।

68. (A) सूरदास को कुछ विद्वान जन्मान्ध मानते हैं तो कुछ विद्वानों का मत है कि जिस प्रकार सूरदास ने प्रकृति चित्रण और श्रीकृष्ण के रूप का वर्णन किया है, कोई व्यक्ति तब तक ऐसा नहीं कर सकता जब तक कि–वह स्वयं यह सब देख न ले अतः सूरदास जन्मान्ध नहीं थे। इस प्रकार कथन (A) सत्य नहीं है। अन्य तीनों कथन सत्य हैं।

69. निम्नलिखित में से किसका सम्बन्ध सिद्ध साहित्य से नहीं है ?
(A) सरहपा (B) कुकुरिया
(C) शबरपा (D) गोपीचंद्र

69. (D) सिद्ध साहित्य के प्रमुख कवि सरहपा, कुकुरिया, शबरपा, लूईपा, डोम्भिपा, कन्हपा आदि हैं। गोपीचंद्र सिद्ध साहित्य से सम्बन्धित नहीं हैं।

70. निम्नलिखित काव्य पंक्ति किस रचनाकार की है ?
"प्रभु जी तुम दीपक हम बाती। जाकी जोति बरै दिन राती।"
(A) नानकदेव (B) कबीर
(C) रैदास (D) दादूदयाल

70. (C) उपर्युक्त पंक्ति रैदास की है। रैदास नाम से विख्यात सन्त रविदास का जन्म 1388 में बनारस में हुआ था। ये कबीर के समकालीन मध्ययुगीन साधक थे।

71. "हिन्दी रीतिग्रंथों की परम्परा चिन्तामणि त्रिपाठी से चली। अतः रीतिकाल का आरम्भ उन्हीं से मानना चाहिए।" यह कथन किसका है ?
(A) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(B) रामचंद्र शुक्ल
(C) मिश्रबन्धु
(D) रामकुमार वर्मा

71. (B) 'रीति ग्रंथों की परम्परा चिन्तामणि से चली, अतः रीतिकाल का आरम्भ उन्हीं से मानना चाहिए।' यह कथन आचार्य रामचन्द्र

शुक्ल का है। आचार्य रामचंद्र शुक्ल का हिन्दी साहित्य में विशेष योगदान है। 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' उनका प्रमुख ग्रंथ है।

72. "छार उठाय लीन्ह एक मूँठी। दीन्ही उड़ाइ परथिमी झूठी।" यह पंक्ति किस ग्रंथ से ली गई है ?
(A) पद्मावत (B) चान्दायन
(C) आखिरी कलाम (D) रामचरितमानस

72. (A) उपर्युक्त पंक्ति 'पद्मावत' ग्रंथ से ली गयी है। पद्मावत के रचनाकार मलिक मुहम्मद जायसी हैं। इस ग्रंथ को अवधी भाषा में लिखा गया है। मलिक मुहम्मद जायसी निर्गुण भक्ति धारा की प्रेमाश्रयी शाखा के प्रतिनिधि कवि थे।

73. 'लंका यात्रा का विवरण' यात्रावृत के लेखक हैं–
(A) ठाकुर गदाधर सिंह
(B) गोपालराय गहमरी
(C) स्वामी सत्यदेव परिव्राजक
(D) राहुल सांकृत्यायन

73. (D) 'लंका यात्रा का विवरण' राहुल सांकृत्यायन द्वारा लिखित एक यात्रा वृत्तांत है। हिन्दी साहित्य में यात्रावृत्तांत का जनक 'राहुल सांकृत्यायन' को माना जाता है। इनकी प्रमुख रचनाएँ–कनैला की कथा, सतमी के बच्चे, बहुरंगी मधुपुरी, वोल्गा से गंगा मेरी जीवन यात्रा, बुद्ध चर्या आदि हैं।

74. अधोलिखित स्थापना (A) और तर्क (R) पर विचार कीजिए–
स्थापना (A)–तुलसी के मत में–
"निर्गुण रूप सुलभ अति, सगुन जान नहीं कोय। सुगम अगम नाना चरीत, सुनि मुनि मन भ्रम होय।।"
तर्क (R)–क्योंकि सगुण आकार की उपासना और अनुभव के दायरे में लाना सहज है, जबकि निर्गुण निराकार की उपासना और अनुभूति नितांत कठिन।
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए।
(A) A और R दोनों सही हैं।
(B) A सही है, R गलत है।
(C) A गलत है, R सही है।
(D) A और R दोनों गलत हैं।

74. (B) तुलसी के मत में–निर्गुण भक्ति सुलभ और सगुण भक्ति कठिन है। अतः कथन सही है किन्तु कारण (तर्क) गलत है। अतः विकल्प (B) सही होगा।

75. निम्नलिखित आत्मकथाएँ और उनके लेखकों में से कौन-सा युग्म सही है ?
(A) सहचर है समय : अमृता प्रीतम
(B) कस्तूरी कुण्डल बसै : प्रभा खेतान
(C) टुकड़े-टुकड़े दास्तान : अमृतलाल नागर
(D) घर की बात : चतुरसेन शास्त्री

75. (C)

आत्मकथा	लेखक
टुकड़े-टुकड़े दास्तान	अमृतलाल नागर
कस्तूरी कुण्डल बसै	मैत्रेयी पुष्पा
सहचर है समय	रामदरश मिश्र
घर की बात	रामविलाश शर्मा

76. संकलनत्रय के अंतर्गत कौन-सा तत्व सम्मिलित नहीं है ?
(A) स्थान (B) काल
(C) घटना (D) गीत

76. (D) स्थान, काल और घटना संकलनत्रय के घटक हैं परन्तु गीत संकलनत्रय का घटक नहीं है।

77. भाषा की समास शक्ति और कल्पना की समाहार शक्ति का सर्वाधिक उपयोग निम्नलिखित में से किस कवि ने किया है ?
(A) बिहारी (B) चिंतामणि
(C) भूषण (D) घनानंद

77. (A) बिहारी रीतिकालीन कवि थे। वह रीति सिद्ध समूह के कवि माने जाते हैं। उन्होंने 'सतसई' की रचना की थी। बिहारी ने अपने रचनाकर्म में भाषा की समास शक्ति और कल्पना की समाहार शक्ति का व्यापक उपयोग किया है।

78. कबीर के बीजक पर रची गई 'त्रिज्या' टीका किसकी है ?
(A) पूरनदास (B) जगजीवनदास
(C) भगवानदास (D) पल्टू साहब

78. (A) 'त्रिज्या' टीका पूरनदास ने की। यह टीका कबीर की बीजक का वर्णन है। 'बीजक' कबीर द्वारा रचित छन्दों का संकलन है जिसे डॉ. धर्मदास ने संकलित किया था।

79. 'अर्द्धनारीश्वर' निबंध-संग्रह के रचनाकार का नाम है–
(A) शान्तिप्रिय द्विवेदी
(B) रामधारी सिंह 'दिनकर'
(C) अज्ञेय
(D) वासुदेवशरण अग्रवाल

79. (B) 'अर्द्धनारीश्वर' एक निबन्ध संग्रह है जिसके लेखक रामधारी सिंह दिनकर हैं, इनकी प्रमुख कृतियाँ–रश्मिरथी, संस्कृति के चार अध्याय, उर्वशी, नीम के पत्ते, नीलकुसुम, मिट्टी की ओर, द्वंद्व गीत आदि हैं। दिनकर को उनकी कृति 'उर्वशी' के लिए 1972 में ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

80. 'सीट नं. 6' किस लेखिका का कहानी-संग्रह है ?
(A) मन्नू भंडारी (B) मंजुल भगत
(C) ममता कालिया (D) इंदुबाली

80. (C) सीट नं. 6 ममता कालिया का कहानी संग्रह है। उनके प्रमुख कहानी संग्रह–छुटकारा, एक अदद औरत, प्रतिदिन, उसका यौवन, जाँच अभी जारी है, चर्चित कहानियाँ, मुखौटा, पच्चीस साल की लड़की आदि हैं।

81. नाथ संप्रदाय में 'हठयोग' का क्या अर्थ है ?
(A) कठिन साधना
(B) अडिग योग साधना
(C) हठपूर्वक योग
(D) 'ह' का अर्थ सूर्य और 'ठ' का अर्थ चन्द्र, दोनों का योग

81. (D) नाथ सम्प्रदाय के संस्थापक गोरखनाथ माने जाते हैं। नाथों की संख्या 9 मानी गयी है। नाथ सम्प्रदाय में हठयोग के अर्थ में–'ह' का अर्थ सूर्य और 'ठ' का अर्थ चन्द्रमा, दोनों का योग 'हठयोग' होता है।

82. निम्न कवियों और उनकी कृतियों में कौन-सा सुमेलित नहीं है ?

कवि	काव्यकृति
(A) विद्यापति	पदावली
(B) नाभादास	भक्तमाल
(C) नंददास	यमुनाष्टक
(D) सुंदरदास	सुन्दर विलास

82. (C) 'यमुनाष्टक' विट्ठल नाथ की रचना है विट्ठल नाथ कृष्ण भक्ति धारा के कवि थे। ये अष्टछाप के कवियों में से एक थे। विद्यापति–पदावली, नाभादास–भक्तमाल, सुन्दरदास–सुन्दर विलास, सुमेलित विकल्प हैं। विट्ठल नाथ के अन्य ग्रंथ–अणुभाष्य, सुबोधिनी का टीका आदि हैं।

83. "भाषा बहुत परिष्कृत और परिमार्जित न होने पर भी कबीर की उक्तियों में कहीं-कहीं विलक्षण प्रभाव और चमत्कार है। प्रतिभा उनमें प्रखर थी, इसमें संदेह नहीं।" पंक्तियों के लेखक हैं–
(A) डॉ. नगेन्द्र
(B) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(C) डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
(D) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

83. (B) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने कबीर के विषय में लिखा है–'भाषा बहुत परिष्कृत और परमार्जित न होने पर भी कबीर की उक्तियों में कहीं-कहीं विलक्षण प्रभाव और चमत्कार है। प्रतिभा उनमें प्रखर थी, इसमें सन्देह नहीं।' डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी ने कबीर को 'वाणी का डिटेक्टर' कहा है।

84. 'रामायण महानाटक' के लेखक हैं–
(A) प्राणचंद्र चौहान (B) केशवदास
(C) हृदयराम (D) अग्रदास

84. (A) 'रामायण महानाटक' के लेखक प्राणचंद्र चौहान हैं। प्राणचंद्र चौहान भक्ति काल के कवि थे। इनके व्यक्तित्व पर पर्याप्त विवरण प्राप्त नहीं है। रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार, इनके द्वारा रचित संस्कृत में रामचरित सम्बन्धी कई नाटक हैं जिनमें कुछ तो नाटक के साहित्यिक नियमानुसार हैं और कुछ केवल संवाद रूप में होने के कारण नाटक कहे गये हैं।

85. निम्नलिखित तथ्यों को कालक्रमानुसार लिखिए–
I. आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' लिखा।
II. तुलसीदास ने 'रामचरितमानस' की रचना की।
III. अज्ञेय द्वारा 'तारससप्तक' का प्रकाशन किया गया।
IV. जयशंकर प्रसाद ने 'कामायनी' की रचना की।
निम्नलिखित कूट के आधार पर सही उत्तर लिखिए–
(A) I, II, IV, III (B) II, I, III, IV
(C) II, I, IV, III (D) IV, II, III, I

85. (C) तुलसीदास ने रामचरितमानस आरम्भ किया–1574 में। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' लिखा–1929 में। जयशंकर प्रसाद ने कामायनी की रचना की–1936 में, अज्ञेय द्वारा 'तारशप्तक' का प्रकाशन किया गया–1943 में।

86. "गिरा हो जाती है सनयम, नयन करते नीरव भाषण"–जैसे विरोधाभासी चमत्कार का सौन्दर्य किसकी कविता में प्राप्त है ?
(A) निराला (B) पंत
(C) प्रसाद (D) महादेवी

86. (B) उपर्युक्त पंक्ति छायावादी कवि सुमित्रानन्दन पंत द्वारा रचित 'पल्लव' नामक शीर्षक से ली गयी है। पंत की प्रमुख रचनाएँ–चिदंबरा, युगवाणी, वीणा, लोकायतन, ग्रन्थी, गुन्जन, ग्राम्या, युगान्त, युगपथ, तारापथ, रजत रश्मि, गीत हंस, अनुभूति आदि हैं।

87. निम्नलिखित में से कौन-सा कहानी-संग्रह नासिरा शर्मा का है ?
(A) चल खुसरो घर आपने
(B) स्वीमिंग पूल
(C) बोलने वाली औरत
(D) पत्थर गली

87. (B) पत्थर गली नासिरा शर्मा का कहानी संग्रह है। इनके अन्य कहानी संग्रह–बुतखाना, शामी कागज इन्बे मरियम, खुदा की वापसी, संगसार, सबीना के चालीस चोर, गूँगा आसमान, इन्सानी नस्ल, दूसराताज महल आदि हैं।

88. निम्नलिखित में किस ग्रंथ के लेखक रामविलास शर्मा नहीं है ?
(A) कविता के नए प्रतिमान
(B) भाषा और समाज
(C) नई कविता और अस्तित्ववाद
(D) भारत में अंग्रेजी राज और मार्क्सवाद

88. (A) 'कविता के नये प्रतिमान' डॉ. नामवर सिंह की कृति है इनकी प्रमुख कृतियाँ–छायावाद, इतिहास और आलोचना, कहानी नई कहानी आदि हैं। रामविलास शर्मा की रचनाएँ–भाषा और समाज, नई कविता और अस्तित्व वाद, भारत में अंग्रेजी राज और मार्क्सवाद, निराला की साहित्य साधना, परम्परा का मूल्यांकन प्रेमचंद और उनका युग, भारत की भाषा समस्या आदि हैं।

89. 'आत्मनिरीक्षण' किसकी आत्मकथा है ?
(A) वियोगीहरि (B) आचार्य चतुरसेन
(C) सेठ गोविन्ददास (D) वृंदावनलाल वर्मा

89. (C) 'आत्म निरीक्षण' सेठ गोविन्दास की आत्मकथा है। इनकी अन्य रचनाएँ–शेक्सपीयर के 'रोमियो-जूलियट, एज यू लाइक इट, सुरेन्द्र सुन्दरी, कृष्ण कामिनी, होनहार, व्यर्थ सन्देह आदि हैं।

90. प्रेमचंद की जीवनी 'कलम का मजदूर' के रचनाकार हैं–
(A) अमृतराय (B) मदनगोपाल
(C) शिवरानी देवी (D) विष्णु प्रभाकर

90. (B) कलम का मजदूरः प्रेमचंद और प्रेमचंद की आत्मकथा मदन गोपाल की रचनाएँ हैं।

91. "कबीर ने जिस प्रकार एक निराकर ईश्वर के लिए भारतीय वेदांत का पल्ला पकड़ा, उसी प्रकार उस निराकार ईश्वर की भक्ति के लिए सूफियों का प्रेमतत्व लिया और अपना 'निर्गुण' धूमधाम से निकाला।" यह कथन किसका है ?
(A) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
(B) नामवर सिंह
(C) पुरुषोत्तम अग्रवाल
(D) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

91. (D) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने भक्तिकाल के सन्दर्भ में कहा है–'कबीर ने जिस प्रकार एक निराकार ईश्वर के लिए भारतीय वेदान्त का पल्ला पकड़ा, उसी प्रकार उस निराकार ईश्वर की भक्ति के लिए सूफियों ने प्रेमतत्व लिया और अपना 'निर्गुण' धूमधाम से निकाला।'
आचार्य रामचंद्र शुक्ल एक उत्कृष्ट आलोचक के रूप में भी जाने जाते हैं।

92. 'प्रवासी के गीत' के रचनाकार हैं–
(A) नरेन्द्र शर्मा
(B) हरिवंशराय बच्चन
(C) भगवतीचरण वर्मा
(D) हरिकृष्ण प्रेमी

92. (A) 'प्रवासी के गीत' नरेन्द्र शर्मा द्वारा रचित कृति 1939 में प्रकाशित हुई थी। उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं–शूल-फूल, कर्ण-फूल, प्रभात-फेरी, कामिनी, मिट्टी और फूल, पलाश-वन, हंसमाला आदि।

93. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है ?
(A) 'मन पवन की नौका'–कुबेरनाथ राय का निबंध संग्रह है।
(B) 'विचार और वितर्क'–हजारी प्रसाद द्विवेदी का निबंध संग्रह है।
(C) 'कौन तू फूलवा बीनन हरी'–विवेकीराय का निबंध है।
(D) चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' द्विवेदी युग के निबंधकार हैं।

93. (C) सही कथन निम्न प्रकार हैं–
कौन तू फुलवा बीनन हारी–विद्यानिवास मिश्र, मन पवन की नौका–कुबेर नाथ राय, विचार और वितर्क–हजारी प्रसाद द्विवेदी, चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' द्विवेदी युग के निबन्धकार हैं।

94. 'मगही' किस उपभाषा की बोली है ?
(A) राजस्थानी (B) पश्चिमी हिन्दी
(C) पूर्वी हिन्दी (D) बिहारी

94. (D) मगही बिहारी उपभाषा की उपबोली है।

उपभाषा	बोलियाँ
राजस्थानी	मारवाड़ी, ढूँढ़ाणी, मेवाती, मालवी
पश्चिमी हिन्दी	कौरवी या खड़ी बोली, बाँगरू, ब्रजभाषा, कन्नौजी, बुंदेली
पूर्वी हिन्दी	अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी
बिहारी	मगही, भोजपुरी
पहाड़ी	पहाड़ी, कुमाऊँनी, गढ़वाली

95. एकाक्षरी भाषा-परिवार से तात्पर्य है–
(A) सेमिटिक-हेमेटिक परिवार
(B) चीनी भाषा परिवार
(C) कॉकेशियन परिवार
(D) ऑस्ट्रो-एसियाटिक परिवार

95. (A) एकाक्षरी भाषा-परिवार का तात्पर्य सेमिटिक-हेमेटिक परिवार से है। इस भाषा परिवार को नाग भाषा परिवार भी कहा जाता है इसके मूल शब्द प्रायः एकाक्षरी होते हैं। ये भाषाएँ कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, नेपाल, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, भूटान, अरुणाचल प्रदेश, असम, नागालैण्ड,

मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा और मिजोरम में बोली जाती हैं।

96. आधुनिक भाषा-विज्ञान का जनक कौन है ?
(A) ब्लूमफील्ड (B) जेस्पर्सन
(C) सोस्यूर (D) ग्लीसन

96. (C) आधुनिक भाषा-विज्ञान के जनक 'दार्दिनांद द सोस्यूर' को माना जाता है।

97. निम्नलिखित आधुनिक भाषाओं में से किसका सम्बन्ध अपभ्रंश की पैशाची बोली से है ?
(A) राजस्थानी (B) गुजराती
(C) पंजाबी (D) बंगाली

97. (C) अपभ्रंश की पैशाची बोली से—लँहदा और पंजाबी का विकास हुआ है।

अपभ्रंश के भेद	आधुनिक भारतीय भाषा
शौरसेनी अपभ्रंश	पश्चिमी हिन्दी, राजस्थानी, गुजराती, पहाड़ी
ब्राचड़ अपभ्रंश	सिन्धी
महाराष्ट्री अपभ्रंश	मराठी
मगधी अपभ्रंश	बिहारी, भोजपुरी, बांग्ला, उड़िया, असमिया
अर्द्ध-मागधी	पूर्वी हिन्दी (अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी)

98. गएल, भएल आदि किस बोली की किस तरह की क्रियाएँ हैं ?
(A) भोजपुरी, भूतकालिक
(B) अवधी, वर्तमानकालिक
(C) ब्रजभाषा, भूतकालिक
(D) बुन्देली, भविष्यकालिक

98. (A) गएल, भएल आदि भोजपुरी बोली की भूतकालिक क्रियाएँ हैं।

99. कौन-सी भाषा देवनागरी लिपि में लिखी जाती है?
(A) बंगला (B) पंजाबी
(C) मराठी (D) गुजराती

99. (C) संस्कृत, पाली, हिन्दी, मराठी, कोंकणी, सिन्धी, कश्मीरी, बुन्देली, डोगरी, नेपाली, गढ़वाली, बोडो आदि भाषाएँ देवनागरी लिपि में लिखी जाती हैं।

100. निम्नलिखित में से असत्य कथन चुनिए—
(A) रीवा, सतना, शहडोल—बघेली के क्षेत्र हैं।
(B) वर्धा की राष्ट्रभाषा सुधार समिति की ओर से देवनागरी में जो सुधार हुआ, वह 'स्वरखडी' के नाम से जाना जाता है।
(C) खड़ी बोली का एक अन्य नाम 'कौरवी' है।
(D) राजस्थानी उपभाषा का विकास पैशाची अपभ्रंश से हुआ है।

100. (D) राजस्थानी उपभाषा का विकास पैशाची अपभ्रंश से नहीं हुआ है, बल्कि इसका विकास शौरसैनी अपभ्रंश से हुआ है अतः विकल्प (D) असत्य है।

101. 'क' व्यंजन के विषय में निम्न में से कौन-सा सही है?
(A) अल्पप्राण, अघोष, स्पर्शी, कण्ठ्य ध्वनि
(B) महाप्राण, घोष, स्पर्शी, कण्ठ्य ध्वनि
(C) अल्पप्राण, घोष, संघर्षी, तालव्य ध्वनि
(D) महाप्राण, अघोष, संघर्षी, कण्ठ्य ध्वनि

101. (A) 'क' व्यंजन—अल्पप्राण, अघोष, स्पर्शी और कण्ठ्य ध्वनि है।

102. भोजपुरी बोली की उत्पत्ति हुई है—
(A) अर्द्धमागधी अपभ्रंश से
(B) मगधी अपभ्रंश से
(C) शौरसेनी अपभ्रंश से
(D) ब्राचड अपभ्रंश से

102. (B) भोजपुरी बोली की उत्पत्ति मागधी अपभ्रंश से हुई है।

103. ड, ढ ध्वनियों के विषय में कौन-सा कथन शुद्ध है ?
(A) ये तालव्य ध्वनियाँ हैं।
(B) ये मूर्धन्य उत्क्षिप्त ध्वनियाँ हैं।
(C) इनका प्रयोग शब्द के आरम्भ, मध्य तथा अंत में (सर्वत्र) किया जाता है।
(D) दोनों महाप्राण हैं।

103. (B) 'ड' तथा 'ढ' मूर्धन्य उत्क्षिप्त ध्वनियाँ हैं। इन्हें 'द्विगुण' व्यंजन भी कहा जाता है।

104. देवनागरी में 'अ' के बारह खड़ी का सुझाव किसने दिया था ?
(A) नरेन्द्र देव
(B) डॉ. श्यामसुंदर दास
(C) काका कालेलकर
(D) विनोबा भावे

104. (C) देवनागरी में 'अ' के बारह खड़ी का सुझाव काका कालेलकर ने दिया था। काका कालेलकर एक प्रसिद्ध भाषा विज्ञानी थे। इन्होंने देवनागरी लिपि को सरल करने के लिए कालेलकर लिपि को प्रस्तुत किया था।

105. जिन ध्वनियों के संयोग से शब्दों का निर्माण होता है, उन्हें कहते हैं—
(A) ध्वनि (B) प्रतिध्वनि
(C) वाणी (D) स्वनिम

105. (D) जिन ध्वनियों के संयोग से शब्दों का निर्माण होता है, उन्हें 'स्वनिम' कहते हैं। ध्वनि विज्ञान की जिस शाखा में किसी भाषा विशेष के स्वनिमों का वैज्ञानिक अध्ययन किया जाता है, उसे स्वनिम विज्ञान या ध्वनिग्राम विज्ञान कहते हैं। 'स्वनिम' अंग्रेजी के Phonemics शब्द का हिन्दी पर्याय है।

106. उच्चारण की दृष्टि से 'श्, ष्, स्' व्यंजन किस प्रकार के हैं ?
(A) अन्तस्थ (B) वर्त्स्य
(C) ऊष्म (D) तालव्य

106. (C) उच्चारण की दृष्टि से श्, ष, स्, और ह्, ऊष्म व्यंजन हैं तथा य्, र्, ल्, व् अन्तस्थ व्यंजन हैं। तालव्य व्यंजन वे ध्वनियाँ होती हैं जिनके उच्चारण में जीभ तालु को स्पर्श करती है; जैसे—च्, छ, ज, झ,।

107. झाँसी, जालौन, हमीरपुर में कौन-सी बोली प्रचलित है ?
(A) बुंदेली (B) कन्नौजी
(C) ब्रजभाषा (D) मालवी

107. (A) बुंदेली बोली, झाँसी, जालौन, हमीरपुर, उरई सहित सम्पूर्ण बुन्देलखण्ड क्षेत्र में बोली जाती है। कन्नौजी—उत्तर प्रदेश के कन्नौज, फर्रुखाबाद, शाहजहाँपुर आदि सीमावर्ती जिलों में बोली जाती है।
ब्रजभाषा—मथुरा, आगरा, अलीगढ़, हाथरस, भरतपुर, धौलपुर, ग्वालियर तथा आस-पास के क्षेत्रों में बोली जाती है।
मालवी बोली मध्य प्रदेश के विशाल क्षेत्र में बोली जाती है।

108. 'देवनागरी' का विकास किस लिपि से हुआ है ?
(A) खरोष्ठी (B) ब्राह्मी
(C) पारसी (D) रोमन

108. (B) देवनागरी का विकास ब्राह्मी लिपि से हुआ है। ब्राह्मी लिपि बाएँ से दाएँ लिखी जाती है तथा खरोष्ठी लिपि दाएँ से बाएँ लिखी जाती है। रोमन लिपि भी बाएँ से दाएँ लिखी जाती है।

109. नाटक को 'पंचम वेद' की मान्यता किसने प्रदान की है?
(A) आचार्य विश्वनाथ (B) दशरथा ओझा
(C) भरतमुनि (D) पाणिनी दशरथ

109. (C) भरतमुनि एक महान रीतिकालीन आचार्य थे। इन्होंने नाट्यशास्त्र की रचना की थी। नाट्यशास्त्र में भरतमुनि ने नाटक को पंचम वेद की मान्यता दी है।

110. "अर्थवेमल्यं प्रसाद—अर्थ की विमलता ही प्रसाद गुण है।" उपर्युक्त परिभाषा किस आचार्य की है ?
(A) आनंदबर्धन (B) रुद्रट
(C) वामन (D) दण्डी

110. (C) अर्थवेमल्यं प्रसादः—'अर्थ की विमलता ही प्रसाद का गुण है।' यह परिभाषा रीतिकालीन आचार्य वामन की है।

111. भामह के अनुसार काव्य में कितने दोष होते हैं ?
(A) पाँच (B) चार
(C) सत्रह (D) नौ

111. (C) जिसके कारण काव्य के रस स्वादन में व्यवधान आये उसे काव्य दोष कहते हैं। काव्य दोष की परिभाषा सर्वप्रथम आचार्य भरत ने दी थी। आचार्य भामह के अनुसार काव्य दोषों की संख्या 17 है, जबकि आचार्य विश्वनाथ ने 70 काव्य दोष गिनाये हैं जो सर्वाधिक हैं।

112. 'करुण रस' को एकमात्र रस किसने माना ?
(A) भरतमुनि (B) भवभूति
(C) मम्मट (D) आचार्य विश्वनाथ

112. (B) रसों की संख्या 9 मानी गयी है। भरत मुनि ने रसों की संख्या 8 और आधुनिक मनीषियों ने इसे 11 माना है। आचार्य भवभूति करुण रस को एक मात्र रस बताते हैं तथा शृंगार रस को रसराज कहा जाता है।

113. "बिनु पद चलै सुनै बिनु काना।
कर बिनु कर्म करै बिधि नाना।।"
इसमें कौन-सा अलंकार है ?
(A) विभावना (B) विशेषोक्ति
(C) असंगति (D) दृष्टांत

113. (A) जहाँ बिना कारण के ही काम सम्पन्न हो वहाँ विभावना अलंकार होता है। अतः उपर्युक्त पंक्तियों में विभावना अलंकार है, क्योंकि यहाँ बिना पैरों के चलना, बिना कानों के सुनना तथा बिना हाथों के विभिन्न प्रकार के कार्यों का होना दर्शाया गया है।

114. "मैं राज्य की चाह नहीं करूँगा।
है जो तुम्हें इष्ट वही करूँगा।
संतान जो सत्यवती जनेगी।
राज्याधिकारी वह ही बनेगी।।"
पंक्तियों में प्रयुक्त छंद है–
(A) इंद्रवज्रा (B) उपेन्द्रवज्रा
(C) वसंततिलका (D) हरिगीतिका

114. (A) उपर्युक्त पंक्तियों में इन्द्रवज्रा छंद है। इन्द्रवज्रा एक सम वार्णिक छंद है। इसके प्रत्येक चरण में 11-11 वर्ण होते हैं। इसके प्रत्येक चरण में दो तगण, एक जगण और दो गुरु के क्रम से वर्ण रखे जाते हैं।
ऽऽ। ऽऽ। ।ऽ। ऽ ऽ
तगण तगण जगण दो गुरु

115. "काव्य संसार के प्रति कवि की भावप्रधान मानसिक प्रतिक्रियाओं की कल्पना के ढाँचे में ढली हुई श्रेय की प्रेमरूपा प्रभावोत्पादक अभिव्यक्ति है।" काव्य की यह परिभाषा देने वाले विद्वान हैं–
(A) बाबू श्यामसुंदर दास
(B) बाबू गुलाबराय
(C) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(D) जयशंकर प्रसाद

115. (B) उपर्युक्त काव्य की परिभाषा बाबू गुलाबराय ने दी है। बाबू गुलाबराय हिन्दी साहित्य के प्रसिद्ध व महान प्रतिमान हैं। उनकी प्रमुख रचनाएँ–नवरस, हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास हिन्दी, नाट्य विमर्श, आलोचना कुसुमांजलि, काव्य के रूप, सिद्धान्त और अध्ययन आदि हैं।

116. 'दोहा' किस प्रकार का छंद है?
(A) सममात्रिक (B) विषय मात्रिक
(C) संस्कृत वृत्त (D) अर्द्धसम मात्रिक

116. (D) दोहा एक अर्द्ध सममात्रिक छंद है इसमें चार चरण होते हैं। इसके प्रथम और तृतीय चरण में 13-13 तथा द्वितीय और चतुर्थ चरण में 11-11 मात्राएँ होती हैं।

117. उद्धवशतक की "हमको लिख्यो है कहा, हमको लिख्यो है कहा, हमको लिख्यो है कहा, कहन सबै लगीं।" में पुनरुक्ति द्वारा क्या बोध होता है ?
(A) भाव का अपकर्ष (B) भावसंधि
(C) भावोत्कर्ष (D) भावसवलता

117. (C) उपर्युक्त पंक्तियों में पुनरुक्ति द्वारा भावोत्कर्ष का बोध होता है। काव्य के पठन से जो भाव उत्पन्न होते हैं, भावोत्कर्ष कहलाते हैं। अलंकार भावोत्कर्ष में सहायक नहीं होते, उनका काम केवल सजावट करना है।

118. जिस धर्मसाम्य को आधार बनाकर उपमेय-उपमान में एकता स्थापित की जाती है, उसे कहते हैं–
(A) साधारण धर्म (B) वाचक
(C) उपमान (D) उपमेय

118. (B) जिस धर्मसाम्य को आधार बनाकर उपमेय-उपमान में एकता स्थापित की जाती है, उसे वाचक शब्द कहते हैं। यदि अलंकार की दृष्टि से देखें तो ऐसी स्थिति में रूपक अलंकार होता है। वाचक शब्द केवल अपने सांकेतिक शब्द ही प्रदान करते हैं।

119. 'रोमांच' किस तरह का अनुभाव है ?
(A) सात्विक
(B) कायिक
(C) आहार्य
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

119. (A) रोमांच एक सात्विक अनुभाव है। सात्विक अनुभाव आठ प्रकार के होते हैं–
1. स्तम्भ, 2. स्वेद, 3. रोमांच, 4. स्वर, 5. कम्प, 6. वैवर्ण्य अथवा विवर्णता, 7. अश्रु, 8. प्रलय।

120. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (रस)	सूची-II (स्थायी भाव)
(a) अद्भुत	1. क्रोध
(b) वीर	2. शोक
(c) रौद्र	3. विस्मय
(d) करुण	4. उत्साह

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	4	3	2	1
(C)	3	4	1	2
(D)	2	4	1	3

120. (C) 3

रस	स्थायी भाव
अद्भुत	विस्मय
वीर	उत्साह
रौद्र	क्रोध
करुण	शोक

❑❑